मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

वर्ष : 42 ▪ अंक : 227 ▪ सोमवार, 2 दिसंबर 2024 ▪ 3 रुपए ▪ पृष्ठ 4

/ulhasvikas संपादक - हीरो अशोक बोधा (BMM, L.LB.) Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ... 4 पर पढ़ें..

तलाक की खबरों के बीच काम पर लौटीं ऐश्वर्या!

संक्षेप...

होटल गुरुदेव ग्रांड के कर्मचारी ने की आत्महत्या की कोशिश

कल्याण. कल्याण के होटल गुरूदेव ग्रान्ड के एक कर्मचारी द्वारा आत्महत्या की कोशिश किए जाने से खलबली मच गई. बताया गया कि होटल के साथी कर्मचारियों द्वारा सतर्कता दिखाते हुए बचाने के बाद मरीज को कल्याण के रुक्मणीबाई अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां आपातकाल इलाज उपचार का इंतजाम नहीं होने के कारण उसे कलवा ट्रांसफर कर दिया गया,

शनिवार की शाम को कल्याण पश्चिम खडकपाडा में स्थित होटल गुरूदेव ग्रान्ड के एक कर्मचारी रवि तुरी ने स्टाफ के लिए बने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया,मगर अन्य कर्मचारियों ने रवि को समय रहते बचा लिया, तब तक रवि की गर्दन की नसें खिंच चुकी थी, दर्द से तडपते रवि को बाई रुक्मिणी बाई अस्पताल में लाया गया. जिसके बाद मरीज को कलवा के शासकीय अस्पताल में भेज दिया है.

खराब हो रही आबोहवा !

- महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड सतर्क
- वायु निगरानी मशीनें स्थापित

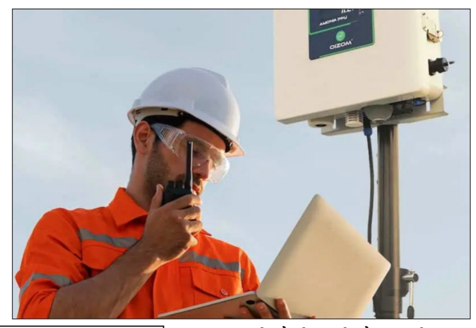

ठाणे. ठाणे, मुंबई की हवा दिल्ली की तरह प्रदूषित न हो जाए, इसके लिए महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड सतर्क हो गया है. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने हवा में प्रदूषण के स्तर की पहचान करने और इसके खिलाफ तत्काल उपाय करने के लिए मुंबई, ठाणे, वसई-निजामपुर और मीरा भयंदर नगर निगमों की सीमा के भीतर निरंतर वायु निगरानी मशीनें स्थापित की हैं। इस उपकरण के माध्यम से 24 घंटे वायु गुणवत्ता की निगरानी कर रिपोर्ट तुरंत उपलब्ध होगी, जिससे समय पर उपाय योजना बनाना संभव होगा। ठंड के मौसम के कारण ठाणे, मुंबई में वायु प्रदूषण का खतरा बढ़ गया है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण विभाग की रिपोर्ट के अनुसार ठाणे जिले की वायु गुणवत्ता मध्यम स्तर पर दर्ज की गई. जिले के ठाणे शहर में औसत सूचकांक 140, नवी मुंबई में 140, बदलापुर में 160 से अधिक दर्ज किया गया. भले ही हवा की गुणवत्ता मध्यम हो, लेकिन यह गुणवत्ता हृदय रोग, श्वसन समस्याओं, फेफड़ों से संबंधित बीमारियों वाले नागरिकों के लिए सांस लेना मुश्किल बना सकती है।

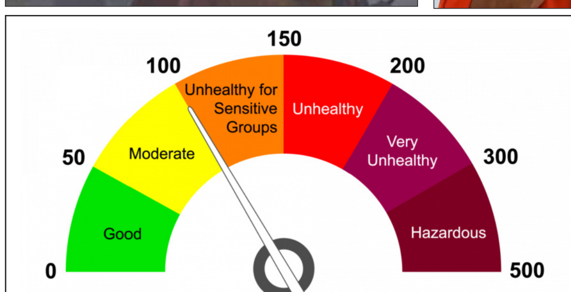

एयर क्वालिटी का पैमाना

वेबसाइट AQI.com पर सूचकांक के अनुसार, 0 से 50 अच्छा है, 51 से 100 संतोषजनक है, 101 से 200 खराब है, और 201 से 300 स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है, 301 से 400 गंभीर है, और 401 से 500 खतरनाक है . केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण विभाग की वेबसाइट के अनुसार, 0 से 50 तक अच्छा, 51 से 100 तक संतोषजनक, 101 से 200 तक मध्यम, 201 से 300 तक खराब, 301 से 400 तक बहुत खराब और 401 से ऊपर को गंभीर माना जाता है।

सरकारी रिपोर्ट के मुताबिक, जिले की वायु गुणवत्ता मध्यम है, जबकि वेबसाइट AQI.in के अनुसार, ठाणे जिले की वायु गुणवत्ता खराब स्तर पर दर्ज की गई है.

कुछ दिनों से देश में कई जगहों पर हवा की गुणवत्ता खराब हो गई है और प्रदूषण बढ़ गया है. AQI.in वेबसाइट के आंकड़ों से पता चला है कि ठाणे जिले में भी हवा की गुणवत्ता खराब स्तर पर है. सर्दियों में हवा में ओस के कारण धूल के कण नीचे तैरते रहते हैं। इससे हवा की गुणवत्ता ख़राब होती है और प्रदूषण होता है.

AQI.in के सूचकांक के अनुसार, ठाणे जिले में वायु गुणवत्ता पिछले एक सप्ताह से खराब स्थिति में है। ठाणे शहर की वायु गुणवत्ता लगभग 112 से 118 है, भिवंडी शहर की वायु गुणवत्ता 105 से 116 है और कल्याण शहर की वायु गुणवत्ता 107 से 118 है। इसके अलावा नवी मुंबई के ऐरोली शहर की गुणवत्ता 110 से 120 के बीच है। सुबह के समय हवा की गुणवत्ता सबसे खराब होती है। इसलिए सुबह के समय काम पर निकलने वाले नागरिक, स्कूली बच्चे या टहलने के लिए निकलने वाले नागरिक इसकी समस्या अधिक महसूस कर सकते हैं।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण विभाग के सूचकांक के अनुसार ठाणे जिले की वायु गुणवत्ता मध्यम स्तर पर दर्ज की गई. जिले के ठाणे शहर में औसत सूचकांक 140, नवी मुंबई में 140, बदलापुर में 160 से अधिक दर्ज किया गया. सरकारी सूचकांक के अनुसार 101 से 200 का स्तर मध्यम दर्ज किया जाता है। हालाँकि, यह सूचकांक यह भी बताता है कि हृदय रोग, श्वसन समस्याओं, फेफड़ों से संबंधित बीमारियों वाले लोगों को सांस लेने में कठिनाई का अनुभव हो सकता है।

> सर्दियों में हवा की गुणवत्ता ख़राब हो जाती है। वायु प्रदूषण हवा में मौजूद धूल के कारण होता है। नागरिकों को कचरा जलाना कम करना चाहिए, वाहन भी प्रदूषण का कारण बनते हैं। बिगड़ी हुई वायु गुणवत्ता कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोगों, गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों को प्रभावित कर सकती है।
>
> **-मोहसिन खान-पठान,**
> वरिष्ठ परियोजना अधिकारी, पर्यावरण एजेंसी।

> ठाणे जिले में वायु गुणवत्ता की जांच की जा रही है. जिले की हवा की गुणवत्ता अभी भी खराब नहीं है। लेकिन नागरिकों को बाहर निकलते समय मास्क का प्रयोग करना चाहिए।
>
> **-आनंद कटोले,**
> उप क्षेत्रीय अधिकारी, महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

संजय पाटिल के हत्यारों का नहीं पकड़ पाई पुलिस

- हत्यारों को तुरंत गिरफ्तार करने की मांग
- शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन तक मार्च निकाला
- 22 अक्टूबर को शिव मंदिर रोड पर हुई थी हत्या
- जमीन विवाद में हुई थी हत्या

अंबरनाथ. अंबरनाथ में बिल्डर संजय पाटिल की हत्या के बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर पाटिल परिवार ने शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन तक मार्च निकाला और पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे से मुलाकात कर कार्रवाई की मांग की. एक महीने पहले अंबरनाथ पूर्व में शिवमंदिर रोड पर कंस्ट्रक्शन कारोबारी संजय पाटिल की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी. हत्या के 40 दिन बाद भी अन्य संदिग्ध आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने का आरोप लगाते हुए पाटिल परिवार ने शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन पर विरोध प्रदर्शन किया. सैकड़ों की संख्या में पाटिल परिवार के सदस्यों ने शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन पर धावा बोल दिया और अन्य संदिग्ध आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। 22 अक्टूबर को शिव मंदिर रोड पर संजय पाटिल की धारदार ब्लेड से वार कर हत्या कर दी गई थी. हत्या के कुछ ही घंटों के भीतर शिवाजी नगर पुलिस ने दो आरोपियों सूरज पाटिल और हर्ष पाटिल को गिरफ्तार कर लिया. संजय पाटिल के परिवार ने आरोप लगाया है कि हत्या एमआईडीसी में एक प्लॉट विवाद के कारण हुई है, लेकिन इस मामले में अन्य संदिग्ध आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया है। उन्हें गिरफ्तार करने की मांग परिवार ने की है।

ठाणे जिले में 14 दिसंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत

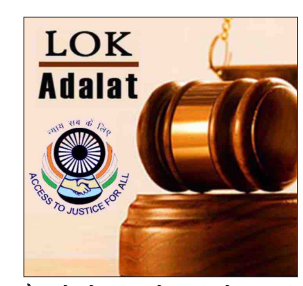

ठाणे. राष्ट्रीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीनिवास अग्रवाल की अध्यक्षता में शनिवार 14 दिसंबर को लोक अदालत का आयोजन किया गया है. न्यायालयों में लंबित मामलों और पहले से दायर मामलों की सुनवाई के लिए लोक अदालत रखा जा सकता है. जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव ने अपील की कि संबंधित अपने प्रकरणों को लोक अदालत में निराकरण हेतु रखें ऐसा आह्वान जिल्हा विधी सेवा प्राधिकरण के सचिव न्या. ईश्वर सूर्यवंशी ने किया है.

लोक अदालत में फैसला आपसी समझाइश से होता है। इसलिए न तो कोई जीतता है और न ही कोई हारता है। लोक अदालत के फैसले से दोनों पक्षों को संतुष्टि मिलती है, आपसी सहमति से आपसी द्वेष नहीं बढ़ता। न्या. ईश्वर सूर्यवंशी ने बताया कि लोक अदालत के फैसले के खिलाफ कोई अपील नहीं होती, एक ही फैसले से मुकदमेबाजी से स्थायी राहत मिल जाती है, मुकदमों में गवाही, जिरह, लंबी बहस से बचा जा सकता है। परिणाम तत्काल होते हैं. समय और धन की बचत होती है. राष्ट्रीय लोक अदालतों को ठाणे जिले में अच्छा प्रतिसाद मिला है और पार्टियों को राष्ट्रीय लोक अदालतों का लाभ मिला है। इसलिए दायर किए जाने वाले लंबित मामलों की लोक अदालत में सुनवाई के लिए संबंधित न्यायालय में तालुका विधिक सेवा समिति या जिला विधिक सेवा समिति प्राधिकरण के कार्यालयों से संपर्क करना चाहिए।

उल्हासनगर में रिक्शा चालकों के खिलाफ कार्रवाई

- आंदोलन के फैसले से माहौल गरमाया

उल्हासनगर. उल्हासनगर में क्षमता से अधिक यात्रियों को ले जाने वाले रिक्शा चालकों के खिलाफ ट्रैफिक पुलिस द्वारा दंडात्मक कार्रवाई किए जाने से रिक्शा चालकों में अफरा-तफरी मच गई। लगातार कार्रवाई से नाराज शहाड रेलवे स्टेशन पर रिक्शा यूनियन ने रिक्शा बंद का आह्वान किया, जिसके बाद कुछ देर के लिए माहौल गरमा गया.

ट्रैफिक पुलिस द्वारा तीन दिनों से पांच सवारी बैठाने वाले रिक्शा चालकों पर दंडात्मक कार्रवाई की जा रही है, जिसमें पहली बार 500 रुपये और बाद में 1500 रुपये का जुर्माना तय किया गया. शाहद रेलवे स्टेशन के रिक्शा स्टैंड पर रिक्शा चालकों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई की जा रही थी। इससे रिक्शा चालकों में असंतोष फैल गया.

जैसे ही ट्रैफिक पुलिस की टीम रिक्शा स्टैंड पर पहुंची यूनियन अध्यक्ष सुनील यादव ने रिक्शा बंद आंदोलन शुरू करने का निर्णय लिया तो कुछ देर के लिए माहौल गरमा गया. घटना की जानकारी जैसे ही रमाकांत रिक्शा यूनियन के अध्यक्ष विक्की भुल्लर को मिली तो वह मौके पर पहुंचे और ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों से चर्चा की.

बंद घर में चोरी

कल्याण. डोंबिवली पूर्व मानपाड़ा उंबार्ली रोड स्थित गणेश दर्शन बिल्डिंग में रहने वाले काशीनाथ पीलवान (54) ने मानपाड़ा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाते हुए बताया कि 30 नवंबर की दोपहर 12 बजे के दौरान कोई अज्ञात चोर घर के दरबाजे की कड़ी कुंडी तोड़कर घर में घुसा और अलमारी में रखे 47 हजार कीमत के गहने लेकर फरार हो गया.

मुरबाड औद्योगिक क्षेत्र में बंद हो रहीं फैक्ट्रियां

- कई समस्याओं का सामना कर रहे फैक्ट्री मालिक

525 कुल फैक्ट्रियां

315 फैक्ट्रियां चल रहीं

200 फैक्ट्रियां हो चुकी बंद

मुरबाड. मुरबाड औद्योगिक इलाकों में करीब 525 फैक्ट्रियां हैं। लेकिन फिलहाल मुरबाड औद्योगिक क्षेत्र में 200 फैक्ट्रियां बंद हैं जबकि 315 फैक्ट्रियां चल रही हैं. अतिरिक्त कुरवली उद्योग क्षेत्र की 50 फैक्ट्रियां सामान्य रूप से संचालित हो रही हैं। यह जानकारी मुरबाड मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष मुकेश उतमनी ने दी है. पता चलता है कि मुरबाड उद्योग क्षेत्र में 60 प्रतिशत फैक्ट्रियां चल रही हैं जबकि 40 प्रतिशत फैक्ट्रियां फिलहाल बंद हैं। इसलिए, मुरबाड तालुका में स्थानीय श्रमिकों पर बड़े पैमाने पर भुखमरी के समय की तस्वीर उभर रही है।

मुरबाड औद्योगिक क्षेत्र में डी, जोन की बहुत आवश्यकता है। मुरबाड-कल्याण रेलवे भी शुरू करना बहुत जरूरी है। क्योंकि कम्युनिकेशन के लिए ये दिक्कतें आ रही हैं. इसलिए, हम कुछ कारखानों के दूसरे राज्यों में पलायन की तस्वीर देख रहे हैं, इसलिए वर्ष 2025 में मुरबाड उद्योग क्षेत्र में एक औद्योगिक प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। मुरबाड मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष मकेश उत्मानी ने जानकारी दी है कि मुरबाड औद्योगिक क्षेत्र की समस्या पर चर्चा की जाएगी.

भारी बिजली बिल से मिले राहत

मुरबाड औद्योगिक क्षेत्र में, महावितरण दर अधिक है और औद्योगिक क्षेत्र के कारखानों को भारी बिल मिल रहे हैं, इसलिए अधिकांश कारखानों को महा वितरण कंपनी की बिजली दर से नुकसान हो रहा है, लेकिन कारखानों से प्रति यूनिट 11 रुपये का शुल्क लिया जाता है इसके बजाय महा वितरण कंपनी द्वारा अगर बिजली दर में दो रुपये की कटौती की जाती है, तो कुछ हद तक एक बार फिर से मुरबाड औद्योगिक क्षेत्र में कारखाने चालू हो जाएंगे.

प्रशासन की लापरवाही से लाखों के पौधे सूखे

- डिवाइडर के बीच लगाए गए पौधों को 3 माह से पानी नहीं
- जनता का पैसा हुआ बरबाद

▸▸ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद एवं एमएमआरडीए द्वारा कल्याण-बदलापुर मुख्य महामार्ग एवं शहर पश्चिम में स्टेशन रोड पर स्काईवॉक के नीचे डिवाइडर के बीच में छोटे कई प्रकार के फूलों के पौधे लगाए गए थे. जिस पर प्रशासन ने लाखों रुपए खर्च कर दिए. प्रशासन द्वारा गत तीन महिनों से इन लाखों रुपयों के पौधों को पानी नहीं दिए जाने के कारण ये पौधे सूख गए हैं. क्योंकि बरसात के बाद से ही प्रशासन की ओर से इन फूलों के पौधों को पानी नहीं दिया गया है. बरसात से पूर्व इन पौधों को पानी दिया जाता था. बरसात में भी इन पौधों को बरसाती पानी मिलने से ये पौधे बड़े और हरे हो गए थे. इनमें फूल भी आना शुरू हो गए थे. प्रशासन ने लाखों रुपए खर्च करके ये पौधे इसलिए लगाए थे कि शहर की खूबसूरती बढ़े. पर्यावरण को बढ़ावा मिले, लेकिन प्रशासन अब पर्यावरण को बरबाद करने पर तुला हुआ है. अंबरनाथ नगर परिषद कार्यालय के समक्ष ये सब हो रहा है. जनता के पैसे बरबाद किए गए. इसका जिम्मेदार कौन? अंबरनाथ के तहसीलदार, नगर परिषद के प्रशासक एवं मुख्याधिकारी को इस ओर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है. अगर इन पौधों को पानी देने वाले का ठेका खत्म हो गया है तो नए ठेकेदार की नियुक्ति की जानी चाहिए. पर्यावरण प्रेमी भी इस मामले को लेकर चुप हैं.

मनपा टैक्स विभाग में 'गुणवत्ता परीक्षा' अनिवार्य

- उल्हासनगर मनपा में शुरू होगा 'गुणवत्ता का नया अध्याय'

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगर पालिका के संपत्ति कर विभाग की कार्यकक्षमता बढ़ाने के लिए आयुक्त विकास ढाकने ने एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है। विभाग के कर्मचारियों की गुणवत्ता जांच हेतु विशेष प्रशिक्षण एवं परीक्षण परीक्षा आयोजित की जायेगी। इससे अयोग्य कर्मचारियों का अन्यत्र स्थानांतरण हो जायेगा तथा गुणवत्तापूर्ण एवं बुद्धिमान कर्मचारियों को विभाग में काम करने का अवसर मिलेगा। मनपा आयुक्त विकास ढाकने का कहना है कि यह निर्णय केवल विभाग की बेहतर कार्यकुशलता के बारे में नहीं है बल्कि मनपा के वित्तीय हित का नजरिया रखा गया है.

उल्हासनगर मनपा आयुक्त व प्रशासक आयुक्त विकास ढाकने ने संपत्ति कर विभाग के कर्मचारियों की दक्षता में सुधार के लिए एक संयुक्त योजना बनाई है। विभाग की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करने पर यह पाया गया कि कई कर्मचारियों में कराधान एवं संग्रहण में तकनीकी ज्ञान एवं दक्षता का अभाव है। इसलिए इन कर्मचारियों को दूसरे विभागों में स्थानांतरित करने और गुणवत्ता जांच के माध्यम से विभाग में नए कर्मचारियों को अवसर देने का निर्णय लिया गया है। कर्मचारियों को महाराष्ट्र नगर निगम अधिनियम, 1949 के तहत संपत्ति कर से संबंधित धाराओं और नियमों पर विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा।

इसके बाद गुणवत्ता जांच के लिए परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा के लिए एक विशेष प्रशिक्षण और मार्गदर्शन सत्र 5 दिसंबर, 2024 को महानगरपालिका असेंबली हॉल में आयोजित किया गया है, और संपत्ति कर पर 'गुणवत्ता परीक्षण' परीक्षा 10 दिसंबर, 2024 को आयोजित की जाएगी। उल्हासनगर मनपा का संपत्ति कर विभाग मनपा की आय का मुख्य वाहक है। इसलिए कर संग्रहण बढ़ाकर महानगर पालिका की वित्तीय स्थिति सुधारने के लिए यह निर्णय महत्वपूर्ण होगा।

मनपा आयुकत ने कहा, हम अक्षमता बर्दाश्त नहीं करेंगे। गुणवत्ता आधारित परीक्षण परीक्षाओं से कर्मचारियों में अनुशासन, दक्षता और जिम्मेदारी की भावना पैदा होगी। यह प्रक्रिया यह सुनिश्चित करेगी कि विभाग में केवल सही और प्रतिभाशाली कर्मचारियों को नियुक्त किया जाए, जिससे संग्रहण प्रक्रिया में सुधार होगा और नागरिकों को बेहतर सेवाएं प्रदान की जाएंगी।

परीक्षा संरचना और प्रक्रिया

- परीक्षा 100 अंकों की वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रारूप होगी।
- प्रत्येक चार गलत उत्तरों पर एक प्रश्न चिह्न काटा जायेगा।
- उत्तीर्ण होने के लिए न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक अनिवार्य है।
- कम से कम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले कर्मचारियों को विभाग में बरकरार रखा जाता है
- पात्रता मानदंड और अवसर रखे जायेंगे
- संपत्ति कर विभाग में नियुक्ति के लिए निम्नलिखित कर्मचारी पात्र हैं
- किसी भी विषय में स्नातक होना चाहिए।
- नगर निगम में कम से कम 5 वर्ष का अनुभव होना चाहिए।

ठाणे जिले को नए अनाथालयों और छात्रावासों का इंतजार

ठाणे. गैर सरकारी संगठनों द्वारा संचालित सरकारी अनाथालय और छात्रावास जरूरतमंदों की देखभाल करते हैं और बच्चों को विभिन्न कुरीतियों से बचाते हैं। हालाँकि, सरकारी एजेंसियों की देरी के कारण, पाँच वर्षों से अधिक समय से, जिले में बाल गृह और छात्रावास शुरू करने के इच्छुक स्वयंसेवी संगठनों को बाल गृह शुरू करने के लिए प्रमाण पत्र नहीं दिया गया है। इससे संस्थाओं के लिए जरूरतमंद बच्चों की देखभाल करना मुश्किल हो गया है और जिला प्रशासन की भी मुश्किलें बढ़ने लगी हैं.

आर्थिक रूप से कमजोर, लापता, एकल माता-पिता, अनाथ और जरूरतमंद बच्चों की देखभाल सरकारी अनाथालयों और गैर सरकारी संगठनों द्वारा संचालित छात्रावासों में की जाती है। ये अनाथालय और छात्रावास सरकार द्वारा पंजीकृत सामाजिक संगठनों द्वारा चलाए जाते हैं। इन बाल गृहों के कामकाज की निगरानी का काम जिला महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा किया जाता है. जिले में सामाजिक संगठन बच्चों के आवास, भोजन, स्वास्थ्य और शिक्षा प्रदान करते हैं। इसलिए जरूरतमंद बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए ये अनाथालय बहुत महत्वपूर्ण हैं। पिछले कुछ वर्षों में जिले में हुए विभिन्न सर्वेक्षणों के माध्यम से बड़ी संख्या में जरूरतमंद और बेसहारा बच्चे सामने आए हैं। इस वजह से इन सभी बच्चों के सुरक्षित भविष्य और आश्रय के लिए उन्हें ऐसे अनाथालयों और छात्रावासों की सख्त जरूरत है। हालाँकि, पिछले चार-पाँच वर्षों से, कई जरूरतमंद बच्चे आश्रय की प्रतीक्षा कर रहे हैं क्योंकि सरकारी अनाथालयों और स्वयंसेवी संगठनों द्वारा संचालित नए छात्रावासों की स्थापना की प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है।

कहां रुकी प्रक्रिया?

फिलहाल जिले में 28 अनाथालय हैं जो सरकार से मान्यता प्राप्त हैं. इसमें लगभग 700 बच्चे आश्रय लिये हुए हैं। लेकिन पिछले चार-पांच साल के दौरान जरूरतमंद और बेसहारा बच्चों की संख्या करीब 2 हजार है. इसके अलावा जिले में संचालित कई सामाजिक संगठनों के पास भी जरूरतमंद बच्चों की बड़ी सूची है। लेकिन सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त प्रमाणपत्र नहीं मिलने से सामाजिक संगठन भी हताश हो गये हैं. इसके लिए कई सामाजिक संगठन लगातार जिला प्रशासन से संपर्क कर रहे हैं।

लेकिन राज्य सरकार द्वारा इस संबंध में कोई कार्रवाई नहीं किये जाने से जिला प्रशासन और तमाम सामाजिक संगठन बड़ी दुविधा में हैं. इसके चलते जिले में पिछले चार-पांच वर्षों में जरूरत के बावजूद कोई नया बालगृह व छात्रावास शुरू नहीं हो सका है.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

कांग्रेस का रोना-धोना

महाराष्ट्र के विधानसभा चुनावों में हार की खीझ ईवीएम पर उतारने वाली कांग्रेस का रोना-धोना बंद होने का नाम नहीं ले रहा है। अब वह यह शिकायत लेकर सामने आ गई है कि महाराष्ट्र में अंतिम क्षणों में मतदान प्रतिशत में अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई और कई लोगों के नाम मतदाता सूचियों से हटा दिए गए। चुनाव आयोग ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कांग्रेस नेताओं को उनके हर सवाल का जवाब देने के लिए निमंत्रित किया है। देखना है कि वे चुनाव आयोग के अधिकारियों से भेंट करने जाते हैं या नहीं और यदि जाते हैं तो उनके तर्कों से संतुष्ट होते हैं या नहीं? कांग्रेस को महाराष्ट्र की चुनाव प्रक्रिया में तो खामी दिख रही है, लेकिन झारखंड में उसे सब कुछ सही लग रहा है। वह जैसा रुदन महाराष्ट्र के नतीजों को लेकर कर रही है, वैसा ही उसने हरियाणा के चुनाव नतीजों के बाद भी किया था। तब यह कहा गया था कि इस्तेमाल के बाद भी ईवीएम की बैटरी 99 प्रतिशत क्यों दिख रही थी? चुनाव आयोग ने इसका जवाब दिया, लेकिन कांग्रेस को यह समझ नहीं आया, क्योंकि उसे कुछ समझना ही नहीं था। इस बार भी वह कुछ न समझे तो हैरानी नहीं। क्या यह हास्यास्पद नहीं कि एक ओर कांग्रेस के नेता महाराष्ट्र की हार के कारणों की समीक्षा कर रहे हैं और दूसरी ओर ईवीएम को दोष भी दे रहे हैं? यदि दोष कथित तौर पर ईवीएम का है तो समीक्षा किस बात की और यदि कांग्रेस अपनी कमजोरियों से हारी तो फिर ईवीएम को कोसने का क्या अर्थ?

कांग्रेस किस तरह अपना उपहास उड़वा रही है, इसका पता इससे चलता है कि खुद उसका आंतरिक सर्वे यह कह रहा था कि महाराष्ट्र में लोकसभा चुनावों के मुकाबले विधानसभा चुनावों में उसकी स्थिति कमजोर हो सकती है। आखिर इसके बाद ईवीएम को कोसने का क्या मतलब? क्या इसलिए कि अपने कार्यकर्ताओं को गुमराह किया जा सके और समीक्षा के नाम पर चुनाव आयोग पर तोहमत मढ़ी जा सके? राहुल गांधी ईवीएम के विरुद्ध मोर्चा खोलने के साथ उसके खिलाफ यात्रा करने की भी तैयारी कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि इस यात्रा में वह ईवीएम के स्थान पर मतपत्र से चुनाव कराने पर जोर देंगे। यदि वह ऐसा करते हैं तो कांग्रेस के छोटे-बड़े नेता और यहां तक कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे न चाहते हुए भी उनकी हां में हां मिलाने को मजबूर होंगे। इसका दुष्परिणाम यही होगा कि औसत कांग्रेस कार्यकर्ता यह मानकर चलने लगेंगे कि हरियाणा और महाराष्ट्र में पार्टी अपनी कमजोरियों के बजाय ईवीएम के कारण हारी।

विकास के नाम पर मिली करोड़ों की धनराशि का दुरुपयोग

छली जनगणना के अनुसार देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लगभग 6.40 लाख गांव और 7,935 शहर हैं। यहां निवास करने वाली जनता को स्थानीय स्तर पर ही अपनी समस्याओं का समाधान चाहिए होता है। अधिकतर समस्याओं के समाधान की जिम्मेदारी स्थानीय सरकारों यानी पंचायतों और नगर पालिकाओं की होती है। अनेक समस्याएं बहुत साधारण होती हैं, लेकिन उनका समाधान न होने से जनता आक्रोशित हो जाती है और प्रायः मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री को उत्तरदायी मानती है। इसका नतीजा उन्हें आगामी चुनावों में भुगतना पड़ता है।

महात्मा गांधी और लोकनायक जयप्रकाश ग्राम स्वराज की अवधारणा के पुरोधा थे, लेकिन संविधान बनाते समय उसे स्वीकार नहीं किया गया। 1992 में संविधान के 73वें और 74वें संशोधनों द्वारा ग्रामीण स्तर पर पंचायत और शहरी स्तर पर नगरपालिका सरकारों को संवैधानिक मान्यता एवं अधिकार दिए गए, जिससे गांधी और जेपी के सपने साकार हो सकें, लेकिन उन संवैधानिक संशोधनों के 32 वर्षों बाद भी स्थानीय सरकारें ऐसा कुछ नहीं कर पाई हैं, जिससे ग्रामीण और शहरी जनता को राहत मिल सके।

संविधान के अनुच्छेद 243(छ) और अनुच्छेद 243(ब) क्रमशः पंचायतों और नगर पालिकाओं को आर्थिक-विकास और सामाजिक न्याय के लिए योजनाएं बनाने और उन्हें लागू करने का अधिकार देते हैं। संविधान की अनुसूची-11 पंचायतों को 28 और नगर पालिकाओं को

18 क्षेत्रों में काम करने का अधिकार देती है। आखिर इसके बाद भी शहरों और गावों की समस्याएं क्यों बढ़ती जा रही हैं? पंचायतें और नगर पालिकाएं केंद्र सरकार, राज्य सरकार और कुछ बाह्य स्त्रोतों से पर्याप्त धन प्राप्त कर रही हैं। आज छोटी-छोटी पंचायतों को भी विकास के नाम पर करोड़ों की धनराशि भिन्न-भिन्न स्त्रोतों से मिलती है, पर उसका दुरुपयोग होता है। पंचायत प्रधान अपने को मिनी मुख्यमंत्री समझने लगे हैं। अनेक गांवों में वे सरकारी कर्मचारियों और बैंककर्मियों से साठगांठ करके विकास के लिए आए उस पैसे में भी हिस्सेदारी वसूलते हैं, जो केंद्र और राज्य सरकारें अनेक लोक-कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत सीधे गरीबों के जनधन खाते में भेजती हैं। जितना बड़ा विकास का बजट, उतना ही बड़ा भ्रष्टाचार। इस पर कोई अंकुश नहीं लग पा रहा है, क्योंकि इसमें राजनीतिक और प्रशासनिक गठजोड़ है। अब यह किसी से छिपा नहीं कि स्थानीय चुनावों में बेतहाशा पैसा खर्च कर जनप्रतिनिधि बनने वाले विकास और कल्याण पर ध्यान देने के स्थान पर अपनी सत्ता का दुरुपयोग करके अगले चुनाव के लिए धनसंग्रह करने में लिप्त हो जाते हैं।

गावों की कई समस्याओं में एक चर्चित समस्या छुट्टा-पशुओं की है, लेकिन उसे चुनाव के समय ही उछाला जाता है। क्या किसी भी पंचायत ने इस समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस रणनीति बनाई है? उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने वर्ष 2023-24 में 125 करोड़ रुपये छुट्टा पशुओं के अस्थाई आवास, भोजन और औषधि के लिए आवंटित किए, पर क्या पंचायत सरकारों ने इस आवंटित धन का सदुपयोग किया, ताकि समस्या का समाधान हो सके? उनकी रुचि इसमें रहती है कि इस योजना से कितना धन स्वयं के लिए निकला जा सकता है। समय आ गया है कि इस पर विचार किया जाए कि मनरेगा जैसी योजनाएं गांवों में क्यों रचनात्मक बदलाव नहीं ला पाईं? कुएं बनाना, तालाब निर्माण, सौर ऊर्जा, शौचालय निर्माण, प्रधानमंत्री आवास आदि अनेक योजनाएं गावों का स्वरूप बदल सकती हैं, पर पंचायत प्रतिनिधियों और सरकारी कर्मचारियों की उसमें रुचि कहां? क्या किसी पंचायत ने गांव में खेल-कूद, खेती, उद्योग-धंधे और कारोबार बढ़ाने के लिए कोई योजना बनाई? उलटे पराली जैसी प्रदूषण बढ़ाने वाली नई-नई समस्याएं हरियाणा, पंजाब आदि राज्यों में गंभीर हो रही हैं। क्या ग्राम पंचायतों का यह दायित्व नहीं कि अपने-अपने क्षेत्रों में इसे रोकने के उपाय करें और उसका वैकल्पिक व्यावसायिक समाधान खोजें?

जो उपहार इस जीवन के बाद भी हमारे साथ जाएगा, वो है आध्यात्मिक ज्ञान की प्राप्ति। इस उपहार को हम ध्यानाभ्यास के द्वारा पा सकते हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

बांग्लादेश में निशाने पर अल्पसंख्यक

करीब तीन महीने पहले बांग्लादेश में जब एक अप्रत्याशित घटनाक्रम के बीच तख्तापलट के बाद नई अंतरिम सरकार ने काम करना शुरू किया था, तब उम्मीद की गई थी कि वह अब सबके हित को मकसद बना कर नई राह पर चलेगी। मगर अब वहां से जैसी खबरें आ रही हैं, वे यही बताती हैं कि बांग्लादेश शायद फिर से एक नई समस्या के दौर में दाखिल हो रहा है। यह विडंबना ही है कि नई अंतरिम सरकार ने सबको साथ लेकर चलने का भरोसा दिया था, लेकिन अब वहां के अल्पसंख्यक समुदायों के सामने बेहद जटिल स्थिति खड़ी हो रही है और उनके साथ होने वाले बर्ताव से ऐसा लगता है कि उन्हें देश में दोयम दर्जे का नागरिक माना जाएगा। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि वहां सामुदायिक टकराव की स्थिति बन रही है और सरकार उसका कोई समाधान निकालने के बजाय अल्पसंख्यकों के खिलाफ नाहक आक्रोश को रोक नहीं पा रही है।

गौरतलब है कि कुछ समय से लगातार ऐसी आवाजें उठ रही हैं कि बांग्लादेश की नई अंतरिम सरकार के जिम्मेदारी संभालने के बाद स्थानीय हिंदू समुदाय के साथ कई स्तर पर भेदभाव किए जा रहे हैं और सरकार उन्हें रोकने के बजाय अपनी आंखें मूंदे हुए है। जबकि बांग्लादेश में बगावत के बाद नए दौर की शुरुआत के साथ लोगों ने वहां सद्भाव और समावेशी राह की नई हवा बहने की उम्मीद की थी। फिलहाल स्थिति यह है कि वहां की पुलिस ने इस्कान समूह से जुड़े रहे चिन्मय कृष्ण दास को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि वहां उन पर राष्ट्रीय झंडे को अपमानित करने का हवाला देकर राष्ट्रद्रोह का आरोप लगाया गया है, मगर इस आरोप की हकीकत तो जांच से ही सामने आएगी।

इसके बाद बांग्लादेश की नई सरकार के इस रुख पर सवाल उठने लगे हैं कि पिछली सरकार को तानाशाही बता कर सत्ता में आने के बाद क्या अब उसका रवैया धार्मिक अल्पसंख्यकों के प्रति पनप रहे विद्वेष को तुष्ट करने वाला होगा। कहने को बांग्लादेश की सरकार इस तरह के आरोपों से इनकार करती है, लेकिन आखिर क्या वजह है कि वहां हिंदुओं सहित अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की ओर से अपने खिलाफ माहौल पैदा करने के आरोप लगाए जा रहे हैं और सरकार अपने रवैये से इस समस्या का कोई सौहार्दपूर्ण हल निकालने के बजाय असंतोष को बढ़ावा दे रही है!

सवाल है कि अगर बांग्लादेश में पूर्व की सरकार पर तानाशाही के आरोप थे और आम जनता ने उसके खिलाफ विद्रोह करके उसे सत्ता से हटाया, तो नए दौर के शुरुआती महीनों में ही वहां से ऐसी तस्वीरें क्यों सामने आने लगी हैं। फिलहाल जिस तरह के हालात पैदा हो रहे हैं, अगर सरकार ने उस पर तत्काल लगाम लगाने के ठोस उपाय नहीं किए तो सामुदायिक टकराव चिंताजनक रास्ता भी अख्तियार कर सकता है। हालांकि बांग्लादेश इसे अपना घरेलू मामला बता रहा है, लेकिन पड़ोसी देश में इस तरह की घटनाओं का व्यापक असर पड़ सकता है।

यही वजह है कि भारत ने इस मसले पर चिंता जताई है। बांग्लादेश में यह अफसोसनाक स्थिति तब है कि जब नई सरकार की कमान शांति के लिए नोबेल पुरस्कार से सम्मानित मोहम्मद यूनुस के हाथों में है। उनके इसी परिचय की वजह से उनसे उम्मीद की जा रही है कि वे वहां कानून-व्यवस्था का राज लाने के साथ-साथ सभी समुदायों के बीच सद्भाव कायम करेंगे, ताकि बांग्लादेश अपने नए सफर में मानवाधिकारों और शांति की राह पर आगे बढ़ने का संदेश दे।

अलार्म बजने के 5 मिनट पहले ही क्यों खुल जाती है नींद

सोचिए कि रात में सोने से पहले आप अगले दिन सुबह 5 बजे का अलार्म लगाएं और सुबह 4 बजकर 55 मिनट

जरा हट के

पर ही आपकी नींद खुल जाए, तो आपको कैसा लगेगा? ऐसी स्थिति में मन से अधूरेपन का एहसास होता है. ऐसा लगता है जैसे संतुष्टि नहीं महसूस हुई. पहले खुद पर और फिर अलार्म पर गुस्सा आता है. ये स्थिति काल्पनिक नहीं है, ऐसा लगभग हर किसी के साथ होता है, छुट्टी वाले दिन अलार्म बजने से पहले ही नींद खुल जाए, तब तो और भी ज्यादा क्रोध आता है. पर क्या आपने इसका कारण जानने की कोशिश की है?चलिए हम आपको बताते हैं.

जब अचानक सुबह नींद खुल जाए और आप गौर करें कि अलार्म बजने में 5-10 मिनट बाकी है, तो अंदर से इतना बुरा लगता है कि पूछिए मत. उस 5-10 मिनट में नींद भी नहीं आती है. इस छोटे से अनुभव की वजह से भी इंसान

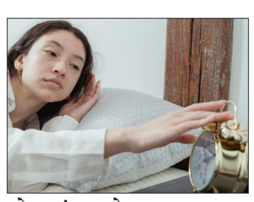

को अंदर से बहुत खराब महसूस होता है. डेली स्टार न्यूज वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार इंसान के शरीर में भी एक घड़ी होती है, जो अलार्म का काम करती है और वो बाहरी अलार्म बजने से पहले ही हमें उठा देती है. इंसान की नींद और उठने की पूरी साइकिल एक प्रोटीन से संचालित होती है, जिसे PER बोलते हैं. इस प्रोटीन का स्तर हर दिन उठता-घटता रहता है. शाम के वक्त ये सबसे ज्यादा स्तर पर होता है और रात में बिल्कुल कम हो जाता है. जब PER का स्तर कम होता है, तब आपका ब्लड प्रेशर कम हो जाता है, दिल धड़कने का रेट धीमा हो जाता है और कॉगनिटिव फंक्शन भी धीरे हो जाते हैं. इस वजह से इंसान को नींद सी आने लगती है.

एक ही स्लीप साइकिल को फॉलो करते-करते, यानी एक ही वक्त पर सोने और उठने की वजह से आपका शरीर पीईआर लेवल को आपके अलार्म के अनुरूप ही उठा सकता है. जब आप उठने वाले होते हैं, तो आपका पीईआर लेवल ज्यादा होने लगता है. इसके साथ ही आपका ब्लड प्रेशर और शरीर का तापमान भी बढ़ जाता है. उठने की तैयारी करने के लिए दिमाग शरीर में स्ट्रेस हॉर्मोन रिलीज करता है जिसे कॉर्टिसोल कहते हैं. इसकी वजह से आपकी नींद टूटने लगती है.

पपीते से बने ये 5 फेस पैक स्किन की बढ़ा देंगे उम्र

- दूर से ही त्वचा करेगी ग्लो
- एजिंग समेत कई समस्याएं होंगी फुर्र

पपीते का सेवन आप सभी हर दिन करते होंगे. पेट के लिए पपीते को बेहद फायदेमंद माना जाता है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि पपीता चेहरे के लिए भी कितना हेल्दी है? जी हां, पपीते में मौजूद कुछ तत्व स्किन को स्वस्थ, स्मूद, बेदाग और ग्लोइंग रखते हैं. यदि आप रेगुलर चेहरे पर पपीते से बना फेस पैक लगाते हैं तो दाग-धब्बे, झुर्रियों, महीन लाइंस, उम्र का असर, टैनिंग, पिगमेंटेशन आदि समस्याओं से बचे रह सकते हैं. पपीते में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन सी, खनिज आदि पोषक तत्व शरीर के साथ स्किन को भी लाभ पहुंचाते हैं. चलिए जानते हैं किस तरह से त्वचा पर पपीता लगाएं और इसके फायदे क्या-क्या होते हैं.

पपीते को चेहरे पर लगाने के फायदे

पपीते को स्किन केयर रूटीन में शामिल करने से कई तरह की त्वचा संबंधित समस्याओं से बचाव हो सकता है. इसमें पपैन एंजाइम होता है, जो स्किन को हेल्दी रखता है. कोलेजन का लेवल बढ़ाता है. आपकी स्किन लंबी उम्र तक जवां बनी रहती है. झुर्रियों, झाइयों, पिगमेंटेशन, टैनिंग आदि की समस्याएं दूर होती हैं. पपीते का फेस पैक चेहरे पर लगाने से स्किन बेहद ही स्मूद और सॉफ्ट हो जाती है.

पपीते का चेहरे पर कैसे करें इस्तेमाल

- आप थोड़े से पके हुए पपीते का गूदा लें. इसे मिक्सी में डालकर पेस्ट बना लें. अब इसमें दूध और थोड़ा सा शहद मिलाएं. इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट के लिए छोड़ दें. इससे दाग, घाव, फोड़े-फुंसी, कोई चोट जल्दी ठीक हो सकता है. पपीते में मौजूद विटामिन सी त्वचा में अधिक मेलेनिन के निर्माण को नियंत्रित करता है. स्किन का ग्लो बढ़ता है. एंटी-फंगल, एंटी-बैक्टीरियल तत्व स्किन इंफेक्शन से बचाते हैं.
- पके हुए पपीते के कुछ टुकड़ों को अच्छी तरह से मसल लें. अब इसमें आधा चम्मच शहद मिलाएं. इसे चेहरे और गर्दन पर अच्छी तरह से लगाकर 15 मिनट के लिए छोड़ दें. फिर हल्के हाथों से मसाज करके पानी से चेहरा साफ कर लें. इससे स्किन ग्लोइंग और नर्म-मुलायम बनेगी. डेड स्किन सेल्स को भी हटाने में पपीता लाभदायक है. इसमें मौजूद विटामिन ए, सी और ई स्किन पर पॉजिटिव असर करते हैं.
- आपके पास शहद नहीं है तो कोई बात नहीं. आप पपीते को मसल कर उसमें दही मिक्स करके भी चेहरे पर फेस पैक की तरह लगा सकते हैं. इससे स्किन टोन होगी, चमकदार बनेगी.
- आप कुछ पके हुए पपीते के टुकड़ों को मसल कर एक बाउल में डालें. अब इसमें एक चम्मच मुल्तानी मिट्टी डालकर मिक्स करें. इस फेस पैक को चेहरे पर लगाकर 20 मिनट के लिए सूखने दें. ठंडे पानी से चेहरा साफ कर लें. इस फेस पैक से चेहरे पर ग्लो आएगा. टैनिंग, पिगमेंटेशन की समस्या होगी दूर. इससे स्किन की डीप क्लिनिंग और क्लिंजिंग भी होती है.
- पपीते के पेस्ट में आधा चम्मच नींबू का रस मिलाकर चेहरे पर अप्लाई करने से भी स्किन हेल्दी रहती है. इससे स्किन की सफाई होती है. त्वचा पर निखार आता है. नींबू में मौजूद विटामिन सी भी स्किन पर कमाल करता है, दाग-धब्बे दूर होते हैं.

वेट लॉस के लिए सलाद

खाना-खजाना

वजन घटाने के लिए लोग सबसे पहले खाना पीना छोड़ते हैं। लेकिन इस तरह से किया गया वेट लॉस दोबारा से वजन को बढ़ा सकता है। इसलिए एक हेल्दी तरह से वजन कम करना जरूरी है। अगर आप हेल्दी तरह से वेट लॉस करेंगे तो इसे मेंटेन करना भी आसान रहेगा। वजन कम करने वाले लोग सलाद खा सकते हैं। ये एक हेल्दी डायट ऑप्शन है जिसे खाकर आप वजन कम भी कर सकेंगे और मेंटेन करना भी आसान रहेगा। ये सलाद हेल्दी चीजों से मिलकर बनी है। जो घर में आसानी से मिल जाएंगी। इस सलाद में आप अपनी पसंद की सब्जियों को मिला सकते हैं। देखिए, वजन कम करने वाली सलाद कैसे बनाई जा सकती है।

सामग्री :

- उबले सफेद चने
- उबले काले चने
- उबली हुई लाल राजमा
- जैतून का तेल
- शिमला मिर्च
- प्याज
- टमाटर
- लहसुन
- नींबू का रस
- नमक
- काली मिर्च
- जीरा पाउडर
- धनिया पाउडर
- चाट मसाला
- हरी मिर्च
- सिरका
- धनिया

विधि :

इस सलाद को बनाने के लिए सबसे पहले सफेद चने, काले चने और लाल राजमा को रात भर के लिए भिगो दें। ध्यान रखें कि सभी चीजों को अच्छी तरह से हाथों से मलते हुए साफ करें और फिर कम से कम 10 से 12 घंटों के लिए भिगो दें। अगली सुबह सभी चीजों को साफ पानी में उबाल लें। जब तक चीजें उबल रही हैं तब तक प्याज, टमाटर, शिमला मिर्च, लहसुन को बारीक काट लें। एक बाउल में उबले छोले, चने और राजमा को प्याज, टमाटर, शिमला मिर्च, लहसुन के साथ मिक्स करें। फिर नींबू का रस, नमक, काली मिर्च, चाट मसाला, जीरा पाउडर, धनिया पाउडर, जैतून का तेल, सिरका, बारीक कटी हरी मिर्च डालें। सभी चीजों को अच्छे से मिक्स करें। हरा धनिया से गार्निश करें और फिर सर्व करें।

चेहरे पर शहद लगाने के फायदे...

ऐसे करेंगे इस्तेमाल तो दमक उठेगी स्किन

हर महिला चाहती है कि उसकी त्वचा ग्लोइंग और बेदाग दिखे. चेहरे पर एक भी समस्या, एक्ने, मुहांसे न हों. कम उम्र में ही झुर्रियां, पिगमेंटेशन की समस्या न शुरू हो. अब इतना कुछ चाहती हैं तो फिर चेहरे की त्वचा की प्रॉपर देखभाल भी करनी होगी. इसके लिए आप केमिकल युक्त ब्यूटी प्रोडक्ट्स और स्किन केयर प्रोडक्ट्स का सहारा लेती हैं तो आज ही बंद कर दें ये काम. आप जितना अपने चेहरे पर नेचुरल चीजों को लगाएंगी, उतना ही अधिक लाभ होगा. वर्षों से चेहरे पर शहद का इस्तेला होता आ रहा है. कई ब्यूटी प्रोडक्ट्स में भी शहद का इस्तेमाल किया जाता है.

शहद त्वचा को स्मूद, सॉफ्ट और ग्लोइंग बनाता है. इसे आप फेस मास्क, फेस पैक में भी इस्तेमाल करके अप्लाई कर सकती हैं. चलिए जानते हैं चेहरे पर शहद कैसे लगाएं और क्या होते हैं स्किन पर शहद लगाने के फायदे.

त्वचा पर शहद लगाने के फायदे

- शहद में एंटीबैक्टीरियल, एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं. इसे चेहरे पर लगाने से स्किन की कई समस्याओं से बचाव हो सकता है. चेहरे पर जब आप डायरेक्ट शहद अप्लाई करेंगी तो स्किन सॉफ्ट होगी. नेचुरल नमी प्राप्त होगी. स्किन ड्राई नहीं होगी.
- मुंहासे, एक्ने की समस्या से चेहरा भरा हुआ है तो आप शहद का इस्तेमाल रेगुलर कर सकती हैं. खासकर, टीनएज लड़कियों को केमिकल युक्त स्किन केयर प्रोडक्ट्स लगाने से बेहतर है कि आप प्राकृतिक चीजों से चेहरे को हेल्दी, सॉफ्ट, ग्लोइंग बनाए रखें. शहद में एंटीबैक्टीरियल गुण इंफेक्शन, एक्ने, मुंहासों को कम कर सकता है.
- फ्री रेडिकल्स से स्किन को सुरक्षित रखने के लिए भी आप शहद लगा सकती हैं. इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो बढ़ती उम्र को बेअसर कर सकते हैं.
- त्वचा पर दाग, फोड़े-फुंसियां हैं या फिर टोन में सुधार करना है तो आप शहद से बने फेस पैक को अप्लाई करें. कुछ दिन रेगुलर लगाने से दाग-धब्बे कम हो जाएंगे.
- गर्मियों में सनबर्न की समस्या से स्किन में जलन, रेड रैशेज हो जाते हैं. इससे बचने के लिए भी आप शहद लगाएं.

सिंपल ट्रिक्स से दूर करें करेले का कड़वापन

- आप जब भी करेले की सब्जी बनाएं या फिर जूस पिएं तो इसके कड़वेपन को दूर करने के लिए नमक का इस्तेमाल करें. करेला पहले धोकर अपने हिसाब से काट लें. अब इसमें अच्छी तरह से ऊपर से नमक छिड़क दें. इसे 15-20 मिनट के लिए ढंककर रख दें. जब आप नमक डालते हैं तो करेले में से पानी निकलने लगता है. इस कड़वे पानी को फेक दें और तुरंत ही करेले को पानी से 2-3 बार धो लें.
- इसके साथ ही आप बाजार से जब करेला खरीदें तो नारियल पानी भी एक खरीद लें. जब आप सब्जी या सूखी भुजिया बनाने के लिए करेले को काटें तो इसे 20-30 मिनट के लिए नारियल पानी में डालकर छोड़ दें. समय पूरा हो जाने पर पानी से धो लें और फिर इस करेले से सब्जी पकाएं. सब्जी तैयार हो जाए तो आप टेस्ट करके देख सकते हैं.
- आप जब भी करेले से कोई चीज बनाएं तो उसमें नींबू का रस, टमाटर, खटाई आदि डाल दें ताकि कड़वाहट कम हो सके. आप चाहें तो नींबू वाले पानी में करेले को कुछ देर काटकर छोड़ दें. करेले को जब काटें तो ऊपरी खुरदुरी परत को हल्का छील दें. इससे भी कड़वापन कम हो जाएगा.
- जब भी आप करेला काटें तो आपके पास फ्रिज में दही भी हो. दरअसल, जब आप कटे हुए करेले में दही डालकर मिक्स करते हैं तो इसका कसेला और कड़वा स्वाद काफी हद तक कम लगने लगता है. करेले को 30 से 40 मिनट के लिए ऐसे ही रहने दें. अब इसे पानी से साफ करें. काफी हद तक करेले का कड़वापन दूर हो जाएगा.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

आज का राशिफल

मेष : भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बेरोजगारी दूर होगी। लाभ होगा। मान-प्रतिष्ठा में कमी आएगी। कामकाज में बाधाएं आ सकती हैं। कर्मचारियों पर व्यर्थ संदेह न करें। आर्थिक लाभ मिलने से एक्स्ट्रा खर्च उठा पाएंगे। शत्रु सक्रिय रहेंगे। स्वास्थ्य कमजोर होगा।

वृषभ : व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। पारिवारिक उन्नति होगी। सुखद यात्रा के योग बनेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। स्वविवेक से कार्य करना लाभप्रद रहेगा।

मिथुन : संतान की गीत-संगीत में रुचि बढ़ेगी। आज आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। पुराना रोग उभर सकता है। शोक समाचार मिल सकता है। भागदौड़ रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। अधूरे कामों में गति आएगी। व्यावसायिक गोपनीयता भंग न करें।

कर्क : घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। धनलाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में उन्नति के योग हैं। वाणी पर संयम आवश्यक है। जीवनसाथी से मदद मिलेगी। सामाजिक यश-सम्मान बढ़ेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। यात्रा सफल रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे।

सिंह : शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। मान बढ़ेगा। स्वजनों से मेल-मिलाप होगा। नौकरी में ऐच्छिक पदोन्नति की संभावना है। पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। किसी की आलोचना न करें। खानपान का ध्यान रखें। आर्थिक संपन्नता बढ़ेगी।

कन्या : अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। नौकरी में अधिकार बढ़ेंगे। व्यावसायिक समस्या का हल निकलेगा। नई योजना में लाभ की संभावना है। घर में मांगलिक आयोजन हो सकते हैं। जीवनसाथी से संबंध घनिष्ठ होंगे। रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

तुला : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। राजकीय कार्य में परिवर्तन के योग बनेंगे। आलस्य का परित्याग करें। आपके कामों की लोग प्रशंसा करेंगे। व्यापार लाभप्रद रहेगा। नई कार्ययोजना के योग प्रबल हैं। ऐश्वर्य पर व्यय होगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा।

वृश्चिक : व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कानूनी मामले सुधरेंगे। धन का प्रबंध करने में कठिनाई आ सकती है। आहार की अनियमितता से बचें। व्यापार, नौकरी में उन्नति होगी। लेन-देन में सावधानी रखें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रखें।

धनु : व्यापार-व्यवसाय सामान्य रहेगा। दूरदर्शिता एवं बुद्धि चातुर्य से कठिनाइयां दूर होंगी। राज्य तथा व्यवसाय में सफलता मिलने के योग हैं। पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। पुराना रोग उभर सकता है। चोट से बचें। वस्तुएं संभालकर रखें। बाकी सामान्य रहेगा।

मकर : लाभ के अवसर मिलेंगे। प्रसन्नता रहेगी। कुछ मानसिक अंतर्द्वंद्व पैदा होंगे। पारिवारिक उलझनों के कारण मानसिक कष्ट रहेगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे। धैर्य एवं संयम रखकर काम करना होगा। यात्रा आज न करें।

कुंभ : आज कार्य में नए अनुबंध होंगे। नौकरीपेशा की कार्यस्थल पर नई योजना बनेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। घर में प्रसन्नता रहेगी। कार्य में व्यय की अधिकता रहेगी। दांपत्य जीवन में भावनात्मक समस्याएँ रह सकती हैं। व्यापार में आज धन का अधिक लेन-देन नहीं करें।

मीन : परिवार के सहयोग से दिन उत्साहपूर्ण व्यतीत होगा। योजनानुसार कार्य करने से लाभ की संभावना है। आर्थिक सुदृढ़ता रहेगी। धनार्जन होगा। संतान के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। बेचैनी दूर होगी। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

खबरें गांव की...

पूर्व विधायक पर 9 साल की मासूम से रेप का आरोप, कोर्ट के आदेश पर केस दर्ज

संतकबीरनगर. संतकबीरनगर की बखिरा पुलिस ने पूर्व विधायक ताबिश खां समेत दो आरोपियों के खिलाफ रेप का केस दर्ज किया है। उनके खिलाफ बच्ची की मां ने आरोप लगाते हुए अपर सत्र न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट की कोर्ट में गुहार लगाई थी। मां का कहना है कि चार सितम्बर 2024 की शाम पांच बजे के करीब उनकी नौ साल बच्ची बकरियां चराने के लिए घर से निकली थी। काफी समय तक वह घर नहीं लौटी तो बच्ची को ढूंढते हुए वह दाई पोखरे के पास पहुंचीं। वहां बच्ची के रोने की आवाज सुनकर वह उसके पास पहुंचीं तो देखा कि पूर्व विधायक ताबिश खां और जमालुद्दीन उर्फ जमालू बच्ची के पास खड़े थे। उसे वहां देखकर दोनों हड़बड़ा गए। मां ने आरोप लगाया कि ताबिश खान ने उन्हें पांच हजार रुपए दिए और कहा कि बच्ची को चोट लग गई, इसकी दवा करा देना। उन्होंने किसी से यह बात नहीं बताने और डॉक्टर या अस्पताल न जाने की हिदायत भी दी। कहा कि इससे तुम्हारी बदनामी हो जाएगी।

युवती ने तेजाब पीकर की खुदकुशी करने की कोशिश, आए दिन छेड़छानी करता था दबंग

पीलीभीत. पीलीभीत से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां सुनगढ़ी कोतवाली पुलिस इलाके में कथित तौर पर छेड़छाड़ से आहत एक किशोरी ने तेजाब पीकर खुदकुशी करने की कोशिश की। क्षेत्राधिकारी (सीओ) सिटी दीपक चतुर्वेदी ने शनिवार को मीडिया को बताया कि शिकायत मिली कि एक नाबालिग लड़की से बीते दिनों छेड़छाड़ की गई और फिर घटना के दौरान का वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल किया जा रहा था। इसी से आहत होकर उसने घर पर रखा तेजाब पी लिया।

मदरसे में गई किशोरी के साथ रेप की कोशिश, पुलिस ने मौलाना समेत 2 को किया गिरफ्तार

संभल. संभल से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां एक मस्जिद मदरसा में शुक्रवार को एक किशोरी को 3 घंटे तक बंधक बनाकर रखा गया और उसके साथ रेप की कोशिश की गई। जैसे ही लोगों को जानकारी हुई तो सैकड़ों की संख्या में लोग मदरसा के बाहर पहुंच गए और मौलाना के विरोध में प्रदर्शन करने लगे। मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह मौलाना को भीड़ से बचाया। देर रात तक थाने में भीड़ लगी रही। हालांकि पुलिस ने पीड़ित किशोरी की मां की तहरीर के आधार पर आरोपी मौलाना व उसके साथी के खिलाफ छेड़छाड़ संबंधी धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया।

'दो या तीन बच्चे पैदा करना जरूरी'

■ वरना मानवता ही खतरे में आ जाएगी: मोहन भागवत

मुंबई. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने जनसंख्या नीति को लेकर अहम बयान दिया है। उन्होंने रविवार को महाराष्ट्र में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि यह जरूरी है कि जनसंख्या की औसत वृद्धि दर 2.1 से नीचे न जाए। हमारा लिए यह जरूरी है कि दो या तीन बच्चे पैदा किए जाएं। ऐसा जनसंख्या विज्ञान कहता है और यदि औसत आंकड़ा 2.1 का ही रहा तो फिर बिना किसी खतरे के ही पृथ्वी से मानवता समाप्त हो जाएगी। आबादी यदि ऐसे ही कम होने की दर बनी रही तो फिर कई भाषाएं और सभ्यताएं खत्म होने के कगार पर पहुंच जाएंगी।

मोहन भागवत ने कहा, 'आबादी का घटना चिंता का विषय है। आधुनिक जनसंख्या विज्ञान कहता है कि जब जन्म दर 2.1 से नीचे जाती है तो फिर धरती से मानवता ही खत्म होने का खतरा पैदा हो जाता है। ऐसी स्थिति में समाज खत्म हो जाता है,

जबकि उसके आगे कोई प्रत्यक्ष संकट नहीं होता। ऐसी स्थिति में कई भाषाओं और सभ्यताओं के खत्म होने का खतरा होता है। देश की जनसंख्या नीति 1998 या 2002 में तय हुई थी। जनसंख्या की औसत वृद्धि दर 2.1 से कम नहीं होनी चाहिए। हमारे लिए यह जरूरी है कि दो या तीन बच्चे हों। आबादी की जरूरत है क्योंकि समाज का अस्तित्व रहना चाहिए।'

आरएसएस की ओर से कई बार यह बात दोहराई जा चुकी है कि देश में जनसंख्या का असंतुलन बढ़ रहा है। खासतौर पर हिंदुओं की आबादी का प्रतिशत भारत में कम होने को लेकर मोहन भागवत कई बार चिंता जता चुके हैं। वह कहते रहे हैं कि भारत में हिंदुओं का बहुसंख्यक रहना जरूरी है और देश के मूल्य इसी के चलते सुरक्षित बने हुए हैं। गौरतलब है कि कई रिपोर्ट्स में यह कहा जा चुका है कि मुस्लिमों की आबादी का प्रतिशत आजादी के बाद से अब तक बढ़ा है, जबकि हिंदुओं की आबादी का प्रतिशत 80 के करीब आ चुका है, जो कभी 88 के आसपास था।

ट्रम्प की BRICS देशों पर टैरिफ लगाने की धमकी

■ कहा-डॉलर के अलावा दूसरी करेंसी में ट्रेड किया तो 100% टैरिफ लगाएंगे; इसमें भारत भी शामिल

नई दिल्ली. नवनिर्वाचित अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शनिवार को सोशल मीडिया अकाउंट से पोस्ट करते हुए BRICS देशों पर टैरिफ लगाने की धमकी दी है। ट्रम्प ने अमेरिकी डॉलर के अलावा किसी और करेंसी में BRICS देशों के ट्रेड करने पर 100% टैरिफ लगाने की बात कही। ट्रम्प ने कहा कि हमें BRICS देशों से गारंटी चाहिए कि वो ट्रेड के

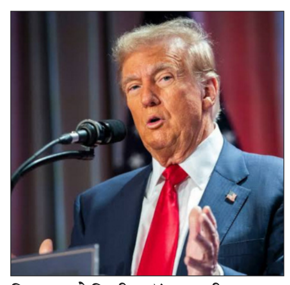

लिए, अमेरिकी डॉलर की जगह, कोई नई करेंसी नहीं बनाएंगे और न ही किसी दूसरे देश की करेंसी में ट्रेड करेंगे। अगर BRICS देश ऐसा करते हैं तो उन्हें अमेरिका को होने वाले निर्यात पर 100% टैरिफ का सामना करना पड़ेगा।

साथ ही अमेरिकी बाजार में सामान बेचने के बारे में भूल जाना चाहिए। ट्रम्प ने कहा- ट्रेड के लिए डॉलर की जगह दूसरी करेंसी के इस्तेमाल की कोई जगह नहीं है। अगर कोई देश ऐसा करता है तो उसे अमेरिका को भूल जाना चाहिए।

BRICS में भारत, रूस और चीन समेत 9 देश शामिल हैं। यह उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों का समूह है।

करेंसी बनाने पर BRICS देशों में सहमति नहीं

BRICS में शामिल सदस्य देशों के बीच करेंसी बनाने को लेकर सहमति नहीं हो पाई है। इसे लेकर अब तक कोई आधिकारिक बयान भी नहीं आया है। इस साल रूस में हुई BRICS देशों की समिट से पहले इसकी करेंसी को लेकर चर्चा तेज थी। हालांकि समिट से पहले ही रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने ये साफ कर दिया था कि BRICS संगठन अपनी करेंसी बनाने पर विचार नहीं कर रहा है। हालांकि समिट में BRICS देशों के अपने पेमेंट सिस्टम को लेकर चर्चा हुई थी। इस पेमेंट सिस्टम को ग्लोबल SWIFT पेमेंट सिस्टम की तर्ज पर तैयार करने को लेकर चर्चा हुई थी। भारत ने BRICS देशों को पेमेंट सिस्टम के लिए अपना UPI देने की पेशकश की थी।

रनवे को छूते ही लड़खड़ाई फ्लाइट

■ पायलट की मुस्तैदी से टला बड़ा हादसा

चेन्नई. चक्रवात फेंगल के बीच चेन्नई एयरपोर्ट पर एक बड़ा विमान हादसा टल गया। रविवार को इंडिगो की एक फ्लाइट को लैंडिंग के कारण काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। हालांकि पायलट की सूझ-बूझ से एक बड़ा हादसा टल दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है।

वीडियो में आप देख सकते हैं कि विमान रनवे पर छूने के तुरंत बाद फिर से हवा में ऊपर उठ गया। ऐसी संभावना है कि तेज हवाओं और रनवे पर पानी जमा होने के कारण पायलट को अचानक लैंडिंग के फैसले को कुछ समय के लिए टालना पड़ा।

आपको बता दें कि एयरलाइंस की भाषा में इसे गो-अराउंड कहा जाता है। यह स्थिति तब अपनाई जाती है जब लैंडिंग सुरक्षित रूप से पूरी नहीं की जा सकती। इस घटना ने पायलट की ओर सही निर्णय लेने की क्षमता को दर्शाया है।

मैडम बिजी हैं, जब 1 घंटा फोन पर सोनिया गांधी का इंतजार करती रहीं नजमा हेपतुल्ला

नई दिल्ली. पूर्व अल्पसंख्यक मंत्री और राज्यसभा की उपसभापति रहीं नजमा हेपतुल्ला ने अपनी किताब में सोनिया गांधी को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि 1999 में जब उन्हें अंतरसंसदीय संघ (IPU) का अध्यक्ष चुना गया था तो उन्होंने यह खुशखबरी देने के लिए यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी को फोन किया था। उन्हें उम्मीद थी कि इस खबर को सुनकर सोनिया बहुत खुश होंगी लेकिन फोन पर उनके कर्मचारी ने कह दिया कि मैडम बहुत बिजी हैं। इसके बाद वह एक घंटे तक फोन पर ही इंतजार करती रहीं लेकिन सोनिया गांधी ने उनसे बात नहीं की।

बता दें कि सोनिया गांधी से अनबन के चलते ही उन्होंने कांग्रेस पार्टी छोड़ दी थी और 2004 में बीजेपी में शामिल हो गई थीं। हाल ही में उनकी आत्मकथा 'इन परस्यू

ऑफ डेमोक्रेसी, बियॉन्ड पार्टी लाइन्स' का विमोचन हुआ है। उन्होंने कहा कि आईपीयू की अध्यक्षता मिलना उनके लिए बहुत बड़ा मौका था। देश की संसद से दुनिया की संसद तक पहुंचने का यह अवसर मेरे लिए बहुत अहम था।

हेपतुल्ला ने आत्मकथा में लिखा कि उन्होंने पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को बर्लिन से फोन किया। उन्होंने तुरंत उनसे बात की और खुशी जताई। उन्होंने लिखा, जब अटल जी ने यह खबर सुनी तो उन्हें बहुत खुशी हुई और उन्होंने कहा कि यह भारत का सम्मान है। भारत की एक मुस्लिम महिला का इस पद पर सुशोभित होना और भी गर्व की बात है। उन्होंने कहा, आप वापस आइए हम मिलकर जश्न मनाएंगे। इसके बाद उपराष्ट्रपति से भी बात हुई।

राज्यसभा की पूर्व उपसभापति ने लिखा, मैंने सोनिया गांधी को फोन मिलाया। वह मेरी नेता थीं। पहले एक कर्मचारी ने कहा, मैडम बिजी हैं। जब मैंने कहा कि मैं बर्लिन से फोन कर रही हूं और यह अंतरराष्ट्रीय कॉल है तो उसने कहा, कृपया होल्ड रखें। इसके बाद मैंने एक घंटा इंतजार किया। सोनिया गांधी ने मुझसे बात ही नहीं की। हेपतुल्ला ने कहा कि वह बहुत ही निराश हो गई थीं।

बता दें कि हेपतुल्ला मणिपुर की राज्यपाल भी रह चुकी हैं। उन्होंने कहा कि आईपीयू की अध्यक्षता के लिए अपना नाम आगे करने से पहले मैंने सोनिया गांधी से इजाजत ली थी।

आंध्र प्रदेश में वक्फ बोर्ड को किया गया भंग

चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली आंध्र प्रदेश सरकार ने पिछली वाईएसआर कांग्रेस सरकार द्वारा नामित राज्य वक्फ बोर्ड को भंग कर दिया है। यह कदम वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 के खिलाफ चल रहे हंगामे के बीच उठाया गया है। 30 नवंबर के एक आदेश में, राज्य सरकार ने उल्लेख किया कि वाईएसआरसी शासन द्वारा गठित एपी राज्य वक्फ बोर्ड लंबे समय से (मार्च 2023 से) निष्क्रिय था। तत्कालीन गठित वक्फ बोर्ड में कुल 11 सदस्य थे, जिनमें से तीन निर्वाचित थे और बाकी आठ मनोनीत थे। उल्लेखनीय है कि आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने 1 नवंबर, 2023 को राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष के चुनाव पर रोक लगा दी थी।

बीजेपी नेता पर गोमांस बांटने का आरोप

हिमंत बिस्वा सरमा बोले- कांग्रेस लिखकर दे तो लगा दूंगा प्रतिबंध

गुवाहाटी. असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि अगर प्रदेश कांग्रेस प्रमुख भूपेन कुमार बोरा उन्हें पत्र लिखकर गोमांस पर प्रतिबंध लगाने का अनुरोध करें तो वह ऐसा करने के लिए तैयार हैं। मुस्लिम बहुल सामगुड़ी विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव जीतने के लिए बीजेपी नेता पर लगे गोमांस वितरित करने के आरोप पर प्रतिक्रिया देते हुए शर्मा ने कहा कि उन्हें खुशी है कि कांग्रेस ने इस मामले को उठाया। इस सीट पर पहले लगातार पांच बार कांग्रेस को जीत मिली थी।

सरमा ने शनिवार को बीजेपी की बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा, 'सामगुड़ी सीट 25 साल तक कांग्रेस के पास रही। सामगुड़ी जैसे निर्वाचन क्षेत्र में 27,000 मतों के अंतर से हारना कांग्रेस के इतिहास की सबसे बड़ी शर्म की बात है। यह बीजेपी की जीत से ज्यादा कांग्रेस की हार है।' पिछले महीने हुए उपचुनाव में भाजपा के दिप्लू रंजन शर्मा ने कांग्रेस सांसद रकीबुल हुसैन के बेटे तंजील को 24,501 मतों के अंतर से हराया था।

सांसद की कथित टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा, 'दुख के बीच रकीबुल हुसैन ने एक अच्छी बात कही कि गोमांस

खाना गलत है, है न? उन्होंने कहा कि मतदाताओं को गोमांस परोसकर कांग्रेस-भाजपा का चुनाव जीतना गलत है।' शर्मा ने सवाल किया, 'मैं जानना चाहता हूं कि क्या कांग्रेस मतदाताओं को गोमांस की पेशकश करके सामगुड़ी जीत रही थी। वह सामगुड़ी को अच्छी तरह से जानते हैं। क्या इसका मतलब यह है कि गोमांस की पेशकश करके सामगुड़ी जीता जा सकता है?'

सरमा ने कहा, 'मैं रकीबुल हुसैन से कहना चाहता हूं कि गोमांस पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए, क्योंकि उन्होंने खुद कहा है कि यह गलत है। उन्हें मुझे केवल लिखित में देने की जरूरत है कि न तो भाजपा और न ही कांग्रेस को गोमांस के बारे में बोलना चाहिए, बल्कि असम में इसे प्रतिबंधित किया जाना चाहिए। अगर हम ऐसा करते हैं, तो सभी समस्याएं हल हो जाएंगी।'

जय शाह ने संभाला ICC चैयरमैन का पद

■ सबसे कम उम्र के चीफ बने

■ बोले- क्रिकेट के मल्टिपल फॉर्मेट को बढ़ावा देना जरूरी

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के सचिव जय शाह ने ICC चेयरमैन का पद रविवार को संभाल लिया है। ग्रेग बार्कले की जगह लेने वाले 36 साल के जय शाह ICC के सबसे कम उम्र के चेयरमैन बन गए हैं।

जय शाह ने कहा- मुझे ICC का चेयरमैन चुनने के लिए सभी का धन्यवाद। मैं क्रिकेट को ग्लोबली बढ़ाने के लिए काम करता रहूंगा। फिलहाल क्रिकेट के मल्टिपल फॉर्मेट को बढ़ावा देना जरूरी है। मैं खेल में नई टेक्नोलॉजी लाने की कोशिश करूंगा, साथ ही वर्ल्ड कप जैसे इवेंट्स को ग्लोबल मार्केट तक भी पहुंचाऊंगा।

ICC के 5वें भारतीय चीफ होंगे जय शाह

शाह से पहले 4 भारतीय ICC चीफ का पद संभाल चुके हैं। जगमोहन डालमिया 1997 से 2000 तक, शरद पवार 2010 से 2012 तक, एन श्रीनिवासन 2014 से 2015 तक और शशांक मनोहर 2015 से 2020 तक ICC प्रमुख रहे। 2015 से पहले ICC चीफ को प्रेसिडेंट कहा जाता था। अब इसे चेयरमैन कहा जाने लगा।

सबसे युवा चेयरमैन

जय शाह इसी साल 22 सितंबर को 36 साल हुए। वह ICC के 16वें चेयरमैन बन गए हैं, उनसे पहले सभी 15 चेयरमैन की उम्र 55 साल से ज्यादा ही रही। शाह से पहले 2006 में साउथ अफ्रीका के पर्सी सोन 56 साल की उम्र में प्रेसिडेंट बने थे। उनसे 20 साल छोटे शाह अब 36 साल की उम्र ICC के सबसे युवा चेयरमैन बनेंगे।

रोहित शर्मा ने बेटे का नाम अहान रखा

रोहित शर्मा ने अपने बेटे का नाम अहान रखा है। रविवार को उनकी पत्नी रितिका ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर शेयर करते हुए बेटे का नाम अहान शर्मा रखने की जानकारी दी। रितिका ने क्रिसमस की थीम को लेकर अपनी एक फैमिली तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में रोहित शर्मा को रो, रितिका को रित्स, बेटी का नाम सैमी और बेटे का नाम अहान दिखाया गया। इसी के साथ ही रितिका ने क्रिसमस का हैशटैग भी लगाया है। भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान रोहित की वाइफ रितिका ने बेटे को 15 नवंबर को जन्म दिया था। रोहित और रितिका की एक बेटी भी है, जिसका नाम समायरा है।

साल भर के बराबर 36 घंटे में हो गई बारिश

चक्रवात फेंगल ने तमिलनाडु में काफी तबाही मचाई। राज्य के कुछ हिस्सों में तो 36 घंटों के भीतर साल भर के बराबर बारिश हो गई। कुछ इलाकों में इस दौरान लगभग 56 सेंटीमीटर बारिश हुई। तमिलनाडु के राजस्व और आपदा प्रबंधन के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश लखानी ने यह जानकारी दी। उन्होंने एएनआई को बताया, 'भारी बारिश बीते कुछ समय तक जारी रही।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर सुरंग का हिस्सा ढहा

मलबे में 4 मजदूर दबे; एक की मौत

कोटा. राजस्थान में के कोटा में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व के पास बन रही 8 लेन की पांच किलोमीटर लंबी टनल में देर रात निर्माण कार्य के दौरान सुरंग के भीतर खुदाई करते समय भारी मात्रा में मिट्टी ढहने से मजदूर मलबे में दब गए। जिनमें से एक की मौत हो गई है। घटना रात 1 से 2 बजे के बीच हुई।

पुलिस और एंबुलेंस को सूचना मिलते ही तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। मलबे में दबे चार मजदूरों को निकाला गया और अस्पताल भेजा गया। इनमें से एक 35 वर्षीय शमशेर सिंह, जो उत्तराखंड के

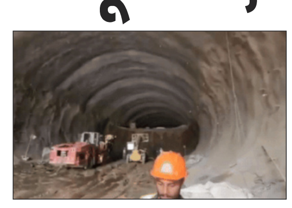

देहरादून जिले का निवासी था, की मौत हो गई। जबकि मोनू और अजय नामक दो मजदूर घायल हो गए हैं, जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। चौथे मजदूर को सामान्य चोट आई थी और उसे भर्ती नहीं किया गया।

मोडक थाना अधिकारी योगेश कुमार शर्मा ने बताया कि जैसे ही उन्हें सूचना मिली, वे तुरंत मौके पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल भेजा। टनल का निर्माण दिलीप बिल्डकॉन कंपनी द्वारा किया जा रहा है। हादसे के बाद नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (NHAI) के अधिकारियों में हड़कंप मच गया, और वे देर रात मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया।

दूसरी तरफ घायल मजदूर मोनू ने आरोप लगाया कि उन्हें काम के दौरान सुरक्षा के उचित उपकरण नहीं दिए गए थे। हालांकि NHAI अधिकारी अभी तक इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दे रहे हैं, लेकिन उन्होंने सुरक्षा ऑडिट शुरू कर दिया है।

दिल्ली में एकला चलो की राह पर AAP

■ गठबंधन की बात से केजरीवाल का साफ इनकार

नई दिल्ली. दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस के साथ गठबंधन से साफ इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा है कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी किसी से गठबंधन नहीं करेगी और अकेले चुनाव लड़ेगी। इससे पहले कांग्रेस ने भी राजधानी में गठबंधन की बात से साफ इनकार कर दिया था। हालांकि अरविंद केजरीवाल ने इस पर कुछ नहीं कहा था। लेकिन आज उन्होंने भी गठबंधन की किसी भी संभावना को खारिज कर दिया है।

दरअसल अरविंद केजरीवाल ने उन पर कल हुए हमले को लेकर आज प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। इसी दौरान उनसे दिल्ली चुनाव के लिए गठबंधन को लेकर सवाल किया गया। इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि दिल्ली में कोई गठबंधन नहीं होगा।

अरविंद केजरीवाल का बयान ऐसे समय में सामने आया है जब अगले साल की शुरुआत में ही दिल्ली की 70 विधानसभा सीटों पर चुनाव होने हैं। फिलहाल आम आदमी पार्टी का 70 में से 62 सीटों पर कब्जा है।

लोकसभा चुनाव में साथ लड़ा था चुनाव

इसी साल हुए लोकसभा चुनावों में बीजेपी के खिलाफ आम आदमी पार्टी और कांग्रेस ने साथ मिलकर चुनाव लड़ा था। लेकिन इसके बावजूद सात लोकसभा सीटों में से एक पर भी जीत हासिल करने में कामयाब नहीं हो पाए थे। इतना ही नहीं, कांग्रेस ने तो यहां तक कह दिया था कि चुनावों में हार आम आदमी पार्टी की वजह से हुई है।

उधर हरियाणा विधानसभा चुनावों के बाद भी ऐसी चर्चा थी कि कांग्रेस-आप में कोई गठबंधन नहीं होगा। अक्टूबर में हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले आप और कांग्रेस के बीच कई दौर की बातचीत के बावजूद सीट बंटवारे को लेकर सहमति नहीं बन पाई थी। उस वक्त आम आदमी पार्टी में ऐसी चर्चा थी कि अब कांग्रेस से कोई गठबंधन नहीं होगी। अरविंद केजरीवाल ने आज इस पर मुहर भी लगा दी है।

तेलंगाना में पुलिस ने मार गिराए सात माओवादी

■ तलाशी अभियान के दौरान मुठभेड़

तेलंगाना के मुलुगु जिले के एक जंगली इलाके में रविवार को पुलिस से हुई मुठभेड़ में सात माओवादी मारे गए। पुलिस ने बताया कि एतुरनगरम के वन क्षेत्र में तलाशी अभियान के दौरान तेलंगाना पुलिस के विशिष्ट नक्सल रोधी बल 'ग्रेहाउंड्स' और माओवादियों के बीच यह मुठभेड़ हुई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मुठभेड़ में सात माओवादी मारे गए। उन्होंने कहाकि मुठभेड़ स्थल से बरामद हथियारों में दो एके 47

राइफल शामिल हैं।

अधिकारी ने कहा कि मारे गए माओवादियों में प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) की तेलंगाना राज्य समिति (येलंडु नरसमपेट) का सचिव कुरसाम मंगू उर्फ भद्रू भी शामिल है। पुलिस के अनुसार, माओवादी विरोधी दस्ते के साथ समन्वय में तेलंगाना ग्रेहाउंड्स ने जंगल में एक संयुक्त तलाशी अभियान चलाया। सुरक्षा बलों से मुठभेड़ होने पर माओवादियों ने कथित तौर पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद पुलिस को जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी। इसके बाद हुई गोलीबारी में सात माओवादी मारे गये। मृतकों की पहचान कुरसम मंगू उर्फ भद्रू उर्फ पपन्ना (35), एगोलापु मल्लैया उर्फ मधु (43), मुसाकी देवल उर्फ करुणाकर (22), जय सिंह (25), किशोर (22), कामेश (23) के रूप में हुई।

हालिया समय का सबसे बड़ा एनकाउंटर

मुलुगु जिले में हालिया वर्षों में पहला बड़ा एनकाउंटर है। प्रतिबंधित माओवादी संगठन द्वारा खुद को फिर से यहां पर स्थापित करने की कोशिशें जारी हैं। यहां पर माओवादियों का प्रभाव दिखने लगा है। 21 नवंबर को माओवादियों ने पुलिस का जासूस होने के शक में दो लोगों को मार डाला। मृतकों की पहचान उइका रमेश और निवासी उइका अर्जुन के रूप में हुई है। रमेश उसी मंडल में पेरुरू ग्राम पंचायत का सचिव था।

आरक्षण के खिलाफ बोलना अपराध नहीं, SC-ST ऐक्ट के तहत केस गलत

■ महिला को HC से राहत

मुंबई. जातिगत आरक्षण पर बोलना किसी समुदाय के खिलाफ नहीं माना जा सकता और ऐसे मामले में एससी-एसटी ऐक्ट के तहत केस भी नहीं दर्ज हो सकता। बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक केस की सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। एक महिला ने अपने बॉयफ्रेंड के साथ रिलेशनशिप खत्म करते हुए उसे वॉट्सऐप पर एक मेसेज भेजा था। शख्स का दावा था कि महिला ने वॉट्सऐप पर उसे जातिगत टिप्पणी करने वाला मेसेज भेजा और आरक्षण के खिलाफ भी टिप्पणी की। इस पर उच्च न्यायालय ने कहा कि दो लोगों के बीच वॉट्सऐप पर हुई बात और खासतौर पर मेसेज फॉरवर्ड करने को इस दायरे में नहीं लिया जा सकता।

बेंच ने कहा कि उस मेसेज में जातिगत आरक्षण पर टिप्पणी की गई थी और वह भी फॉरवर्ड मेसेज था। इस तरह महज आरक्षण पर टिप्पणी करना और वह भी व्यक्तिगत बातचीत को एससी-

एसटी ऐक्ट के दायरे में नहीं रखा जा सकता। यह कहते हुए अदालत ने महिला पर दर्ज केस को खत्म करने के निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखा। कोर्ट ने कहा कि महिला ने सार्वजनिक तौर पर कोई जातिगत टिप्पणी नहीं की। शख्स को अपमानित नहीं किया और ना ही यह एससी-एसटी वर्ग के लोगों की भावनाओं को आहत करने वाली कोई बात थी।

जस्टिस उर्मिला जोशी-फालके ने कहा, 'पूरे मामले को समझें तो पता चलता है कि वॉट्सऐप पर भेजा गया मेसेज जाति आधारित आरक्षण को लेकर था। ऐसे संदेश में ऐसा कुछ नहीं था, जिसे कहा जा सके कि अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के लोगों को अपमानित करने की कोशिश की गई। ऐसा लगता है कि महिला का साफ संदेश शिकायतकर्ता के लिए ही था। लेकिन उस महिला ने ऐसा कुछ भी नहीं लिखा, जिसे अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के लिए अपमानजनक कहा जा सके या घृणा पैदा करने की कोशिश कहा जाए।'

रिलेशनशिप टूटी तो महिला पर किया SC-ST ऐक्ट के तहत केस

दरअसल यह पूरा मामला नागपुर का है, जहां एक 29 साल के सॉफ्टवेयर इंजीनियर को रिलेशन 28 साल की महिला से था। दोनों ही मध्य प्रदेश के रहने वाले हैं। दोनों ने रिलेशनशिप के बाद एक मंदिर में गुपचुप ही शादी कर ली थी। इस रिश्ते को उन्होंने अपने परिवारों से छिपा रखा था। हालांकि रिश्ता तब बिगड़ा, जब महिला को पता लगा कि वह शख्स अनुसूचित जाति का है। इसके बाद उसने संबंध कर लिए। रिश्ते बिगड़ने के दौरान ही उसने एक मेसेज भेजा था, जिसे आधार बनाते हुए शख्स ने केस दर्ज कर दिया और महिला के पिता को भी आरोपी बनाया।

संक्षेप...

राशन किट के नाम महिलाओं से ठगी, 7 आरोपी गिरफ्तार

भिवंडी. निजामपुर पुलिस स्टेशन अंतर्गत म्हाडा कालोनी निवासी गरीब महिलाओं को सस्ती कीमत में राशन किट दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी का मामला प्रकाश में आया है. पुलिस ने 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. म्हाडा कालोनी निवासी आयशा जुबेर अंसारी की शिकायत के अनुसार, फैसल मंसूर अहमद शेख, अली सज्जाद जाफरी, मोहम्मद अफान अकबर अली अंसारी, शबनम शेख शबोरा मरियम, शाहीन और राहिला ने करीब 1200 महिलाओं को पूरे वर्ष 500 रुपये में राशन किट देने का लालच दिया. शिकायत के बाद निज़ामपुरा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है.

शपथ की तारीख तय, चेहरा नहीं

- शिंदे की तबीयत ठीक, मुंबई लौटेंगे;
- कांग्रेस बोली- शिंदे को विश्वासघात की सजा मिली

मुंबई. महाराष्ट्र में नतीजे आए 8 दिन हो गए हैं लेकिन मुख्यमंत्री के चेहरे का आधिकारिक ऐलान बाकी है। शपथ ग्रहण समारोह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में 5 दिसंबर को शाम 5 बजे मुंबई के आजाद मैदान में होगा।

महायुति सरकार में मंत्रालय बंटवारे को लेकर पेंच फंसा है। दिल्ली में बैठक करके लौटे एकनाथ शिंदे सभी कार्यक्रम रद्द कर अचानक 29 नवंबर को सातारा स्थित पैतृक गांव चले गए। एक दिन बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई। फिलहाल उनकी हालत ठीक है। वह दोपहर 2 बजे हेलिकॉप्टर से ठाणे लौट आएंगे। फडणवीस ने फोन पर उनसे बात की है।

3 दिसंबर को भाजपा विधायक दल की बैठक होगी। दिल्ली से दो ऑब्जर्वर मुंबई आएंगे और विधायकों से चर्चा के बाद आधिकारिक रूप से CM फेस अनाउंस करेंगे। वहीं, डिप्टी CM अजित पवार ने शनिवार को कहा- सीएम भाजपा का होगा, यह तय हो गया है और शिवसेना-NCP से 1-1 डिप्टी CM होगा। उधर कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा- भाजपा ने एकनाथ शिंदे को महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनाया। इस्तेमाल के बाद उन्हें बाहर कर

दिया। शिंदे विश्वासघात की सजा भुगत रहे हैं। भाजपा की राजनीति में कोई विश्वसनीयता नहीं है।

- गृह और वित्त मंत्रालय पर बात अटकी

शिंदे सरकार में डिप्टी CM देवेंद्र फडणवीस के पास ही गृह मंत्रालय था। वो इस मंत्रालय को छोड़ना नहीं चाहते हैं। वहीं शिंदे गुट का तर्क है कि अगर डिप्टी CM का पद हमें मिल रहा है तो गृह मंत्रालय भी उन्हें ही मिलना चाहिए। शाह के साथ बैठक में भी इसका हल नहीं निकल पाया।

पहले गृह मंत्रालय देवेन्द्र फड़णवीस के पास था। माना जा रहा है कि इस विवाद के चलते शाह की बैठक में कैबिनेट गठन पर कोई समाधान नहीं निकल सका। एक्सपर्ट्स भी मानते हैं कि बीजेपी गृह मंत्री का पद कभी हाथ से नहीं जाने देगी।

सूत्रों के मुताबिक, शाह से चर्चा के बाद भी विभागों को लेकर गठबंधन में खींचतान मची हुई है। भाजपा गृह, राजस्व, उच्च शिक्षा, कानून, ऊर्जा, ग्रामीण विकास अपने पास रखना चाहती है। उन्होंने शिवसेना को हेल्थ, शहरी विकास, सार्वजनिक कार्य, उद्योग ऑफर किया है। वहीं NCP अजित गुट को वित्त, योजना, सहयोग, कृषि जैसे विभाग देने की पेशकश की है।

जाको राखे साइयां मार सके नहीं कोय

- आग बुझाने वालों ने बचाई छोटे म्याऊं की जान

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. जाको राखे साइयां मार सके नहीं कोय की कहावत भिवंडी में पूर्णतया चरितार्थ दिखाई पड़ी.अशोक नगर क्षेत्र में एक कार की बोनट में बिल्ली का बच्चा (छोटा म्याऊं) 4 घंटे फंसा जीवन के लिए संघर्ष करता रहा जिसे अंततः सुरक्षित बाहर निकाला गया. पहले तो कार मलिक महेश शिर्के ने उसे बचाने की पूरी कोशिश की बावजूद बच्चे को बाहर निकाल पाने के बाद उन्होंने संडे टू संडे फाउंडेशन की मदद से भिवंडी मनपा दमकल विभाग को बुलाया.दमकल कर्मचारियों ने कड़ी मेहनत की.दमकल कर्मियों ने बिल्ली की आवाज लगाकर बच्चे को बाहर निकालने की भरसक कोशिश की लेकिन वे सफल नहीं हुए.दमकल कर्मी भी म्याऊं की जीवन सुरक्षा को लेकर मायूस हो गए थे. सबका बारंबार ध्यान ईश्वर महिमा की ओर जाने लगा. अंततः एक स्थानीय नागरिक की मदद से बिल्ली के छोटे म्याऊं को बोनट से सुरक्षित बाहर निकालने में सफलता हासिल हुई.छोटा म्याऊं कार की बोनट से बाहर आकर खुशी दिखाई पड़ा.

कांग्रेस के पदाधिकारी व कार्यकर्ता बड़ी संख्या में भाजपा में शामिल

ठाणे. शहर स्थित कलवा पूर्व घोलाई नगर परिसर के कांग्रेस सामाजिक न्याय ठाणे शहर अध्यक्ष जगदीश गौरी व असंघटित कामगार ठाणे शहर सचिव दिनेश शिलकर ने अपने समर्थकों के साथ में भाजपा में किया प्रवेश।इसके पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मनोज शिंदे ने एकनाथ शिंदे सेना का दामन थामा था।आज सुबह 11बजे बड़ी संख्या में अपने समर्थकों के साथ में वर्तक नगर स्थित भाजपा कार्यालय पर भाजपा कामगार मोर्चा महाराष्ट्र प्रदेश सचिव प्रशांत तलवडेकर व भाजपा ठाणे शहर अध्यक्ष संजय वाघुले के मौजुदगी में सामाजिक

न्याय विभाग ठाणे शहर सचिव संदीप सूर्यवंशी, सुशांत धुलप, वार्ड अध्यक्ष संतोष झिमल, काँग्रेस कार्यकर्ता भरत पाटील, मंगेश तलेगावकर, विजय कासार, पुजारी यादव, रवी आर्मी, नितेश सूर्यवंशी महेश सूर्यवंशी व महिला कार्यकर्ता शामिल हुई।इस अवसर पर ठाणे महासचिव मनोहर सुगदरे, मंडल अध्यक्ष सुदर्शन सालवी कार्यकारणी सदस्य अरविंद कलवार, प्रभाग सदस्य गजानन परब, भाजप कामगार मोर्चा सचिव प्रशांत तलवडेकर, उत्तर भारती मोर्चा ठाणे जिला उपाध्यक्ष लक्ष्मीकांत यादव, दिव्यांग सेल सचिव आमिन मिश्रा, महाराष्ट्र प्रदेश कार्यकारणी सदस्य हर्षला ताई बुबेरा, कलवा मंडला अध्यक्ष भूषण म्हात्रे, कलवा मंडल अध्यक्ष अनुसूचित जाती मोर्चा नरेश गायकवाड उपस्थित थे।

स्वच्छ, सुंदर, अतिक्रमण मुक्त शहर बनाना प्राथमिकता

- जनहित मुद्दों का समाधान करें अधिकारी -अजय वैद्य.

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. विधानसभा चुनाव की आचार संहिता खत्म होते ही मनपा प्रशासन जनहित कार्यों को लेकर एलर्ट मोड पर आ गया है. मनपा आयुक्त अजय वैद्य के निर्देश पर अतिरिक्त शहर अभियंता सचिन नाईक एवं आरोग्य विभाग अधिकारी जे एम सोनवने के मार्गदर्शन में आरोग्य एवं बांधकाम विभाग की संयुक्त टीम ने शहर अंतर्गत 4 फ्लाईओवर की पानी से

धुलाई कर चकाचक कर दिया. फ्लाईओवर की धुलाई होने से फ्लाईओवर सुंदर दिखने लगा है. शहर के तमाम नागरिक स्वच्छता कार्यों की तारीफ कर रहे हैं.

गौरतलब हो कि, विधानसभा की आचार संहिता समाप्त होते ही मनपा प्रशासक अजय वैद्य ने अवैध निर्माण पर तोडू एक्शन, अतिक्रमण हटाने, बकाया टैक्स वसूली सहित शहर स्वच्छता जैसे अहम मुद्दों को लेकर कड़क रुख अख्तियार किया है.उन्होंने सभी संबंधित विभागों को जनहित कार्यों को प्राथमिकता एवं ईमानदारी से अंजाम देने के निर्देश दिए हैं अन्यथा कड़क कार्यवाही की चेतावनी दी है.आयुक्त वैद्य के कड़क आदेश पर भिवंडी शहर में चारों तरफ आरोग्य विभाग सफाई कर्मियों की टीम कचरा सफाई कार्य में जुटी दिखाई पड़ रही है.सफाई कर्मियों की टीम शहर स्थित फ्लाईओवर धामणकर नाका, स्वर्गीय राजीव गांधी चौक, बंजार पट्टी नाका, भिवंडी कल्याण मार्ग उडानपुल को पानी का फव्वारा फेंककर धुलाई कर चकाचक कर दिया है. आयुक्त अजय वैद्य ने अवैध निर्माण को 3 माह में तोड़ने, शहर को अतिक्रमण मुक्त करने, शहर स्वच्छता, पानी उपलब्धता, शिक्षण, हेल्थ आदि महत्वपूर्ण मुद्दों पर गंभीरता से ध्यान देना शुरू किया है.मनपा क्षेत्र अंतर्गत हुए अवैध निर्माण को जमींदोज की कार्यवाही शुरू हो चुकी है.आयुक्त ने सभी अधिकारियों को जनहित मुद्दों को प्राथमिकता से समाधान के निर्देश दिए हैं.शहरवासियों को अब भिवंडी शहर कचरा मुक्त, स्वच्छ, सुंदर, अतिक्रमण मुक्त होने का सपना कमोवेश सच होता दिखाई पड़ने लगा है.जागरूक नागरिकों का कहना है कि, मनपा प्रशासक, आयुक्त अजय वैद्य के कड़क रवैए से नागरिकों को भिवंडी शहर स्वच्छ, सुंदर, अतिक्रमण मुक्त होने की आशा दिखाई पड़ने लगी है.

वीडियो कॉल पर उतरवा दिए कपड़े

- डिजिटल अरेस्ट कर अकाउंट से उड़ाए 1.7 लाख रुपये

मुंबई. साइबर अपराधी आजकल 'डिजिटल अरेस्ट' के जरिए ठगी को अंजाम दे रहे हैं। मुंबई में इस तरह की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। अब दवा कंपनी में काम करने वाली एक महिला को साइबर ठगों ने शिकार बना लिया। ना केवल अपराधियों ने उससे 1.7 लाख रुपये ठग लिए बल्कि कपड़े उतारने को भी मजबूर कर दिया। जानकारी के मुताबिक बॉडी वेरिफिकेशन के नाम पर वीडियो

कॉल पर महिला के कपड़े उतरवाए गए। महिला की शिकायत पर दहिसर पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गी है। इसके बाद एफआईआर अंधेर पुलिस को ट्रांसफर कर दी गई है। अब तक इस मामले में कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस का कहना है कि ठगों ने 19-20 नवंबर के बीच महिला को शिकार बनाया। अपराधियों ने दिल्ली पुलिस के अधिकारी बनकर फोन किया था।

साइबर ठगों ने बताया कि महिला के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग की जांच चल रही है। इसके बाद आरोपियों ने महिला सेएक होटल रूम बुक करने को कहा। इसके बाद एक लिंक पर क्लिक करवाकर 1.7 लाख रुपये अकाउंट से उड़ा लिए। एक दिन पहले ही गुजरात से एक मामला सामने आया था। यहां एक बुजुर्ग को डिजिटल अरेस्ट किया या और फिर अकाउंट से 61 लाख रुपये साफ कर दिए गए। सूरत क्राइम ब्रांच के मुताबिक पांच आरोपियों को गिरफ्तार भी किया गया है। बुजुर्ग महिला को सीबीआई अधिकारी बनकर फोन किया गया था। बताया गया कि उनके नाम पर मुंबई से चीन के लिए भेजा गया एक पार्सल मिला है जिसमें ड्रग्स है। इसके बाद बुजुर्ग को 15 दिनों तक डिजिटल अरेस्ट में रखा गया। वह शेयर बाजार में इन्वेस्ट करते थे। उन्हें एक फोन आया और बताया गया कि उनके नाम पर बुक कुरियर में 400 ग्राम एमडी मिला है। उन्हें धमकी दी गई कि इस मामले में उनका परिवार भी फंस सकता है। उनकी गिरफ्तारी भी हो सकती है। उन्हें 15 दिनों तक डिजिटल अरेस्ट में रखा गया और बैंक अकाउंट खाली कर दिया गया।

मुलुंड में नाबालिग का यौन शोषण

मुंबई. मुलुंड इलाके में एक नाबालिग को पचास रुपए की लालच देकर उसे जंगल में ले जाया गया और उसके साथ यौन शोषण किया गया। घटना की जानकारी तब सामने आयी जब नाबालिग की तबियत खराब हुई और उसे अस्पताल में जांच के लिए ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने बताया कि वह गर्भवती है। एक अज्ञात व्यक्ति ने 13 वर्षीय लड़की को पचास रुपए का लालच देकर उसके साथ यौन शोषण किया। घटना जंगल में हुई और बाद में मेडिकल जांच के बाद लड़की गर्भवती पाई गई। पुलिस ने यौन शोषण का मामला दर्ज कर फरार आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

युवासेना कार्यकारी अध्यक्ष पुर्वेश सरनाईक के नेतृत्व में

युवा सेना कोर कमेटी की बैठक

उल्हास विकास संवाददाता

ठाणे. युवासेना कोर कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक शहर स्थित आनंद आश्रम में हुई।शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे व सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे के मार्गदर्शन में युवासेना कार्याध्यक्ष पुर्वेश सरनाईक के नेतृत्व में पार्टी के विकास के विषय में चर्चा हुआ।इस बैठक में युवासेना कोर कमेटी के सभी सदस्य मौजूद थे।युवासेना की भविष्य में भूमिका क्या रहेगी और विविध विषयों पर चर्चा किया गया।युवासेना के विकास के लिए महत्वपूर्ण ठराव को इस बैठक में पारित किया गया

और युवाओं को पार्टी से जोड़ने,महिलाओं के शसक्तीकरण पर गहन विचार हुआ।विद्यालय, विद्यापीठ के युवासेना का विस्तार, राज्यस्तरीय खेल व सांस्कृतिक कार्यक्रम,सार्वजनिक संपर्क मुहिम, सामाजिक व पर्यावरण संरक्षण के विकास के लिए विशेष प्रयत्न का भी ठराव का समाविष्ट था।गरीब बच्चों के शिक्षा के लिए युवासेना शैक्षणिक मदत कक्ष तैयार किया जायेगा।

पेय एंड पार्क से दोपहिया वाहन चोरी

कल्याण. कल्याण में सेंट्रल रेलवे की 'पेय एन्ड पार्क' से फिर एक दुपहिया वाहन चोरी की घटना सामने आई है. कल्याण पश्चिम आरटीओ कार्यालय के बगल में एकदंत बिल्डिंग के रहने वाले राहुल चतुर (33) गुरुवार 28 नवंबर की सुबह रेलवे कोर्ट के सामने, पार्सल ऑफिस के बगल में मध्य रेलवे की पेय एन्ड पार्क में अपनी फैशन मोटरसाइकिल पार्क कर काम पर गए थे, रात साढ़े 11 बजे के करीब वापस आने पर देखा तो वहां से बाइक गायब थी.

बता दें कि सेंट्रल रेलवे ने पेय एन्ड पार्क का ठेका 'अंजिक्य एंटरप्राइजेस' नामक ठेकेदार को दिया है, इस पार्किंग स्थल से अब तक कई गाड़ियां चोरी हो चुकी हैं, पिछले महीने बेतुरकरपाड़ा स्थित पंचमुखी कॉलोनी के रहने वाले प्रणव चंद्रशेखरन की बाइक चोरी हुई थी, इस तरह यहां से कई गाड़ियां चोरी हो चुकी हैं.

1375 दोपहिया चालकों को ठाणे आरटीओ में सिम्युलेटर मशीन पर प्रशिक्षण दिया गया

ठाणे. आरटीओ ऑफिस में पक्का लाइसेंस के समय करने के लिए परीक्षा देते समय असफल हो जाते हैं। दोपहिया वाहन चलाने के नियमों के अनुसार सुरक्षित रूप से गाड़ी चलाने के परीक्षण में असफल होने वाले ड्राइवरों के लिए आरटीओ कार्यालय में एक दोपहिया सिम्युलेटर कक्ष बनाया गया है।यूनाइटेड व मुंबई एवियंस के माध्यम से पिछले डेढ़ साल में 1375 बाइक सवारों को सिम्युलेटर मशीनों पर बाइक चलाने का प्रशिक्षण दिया गया।अगस्त 2023 में आरटीओ कार्यालय में बाइक सिम्युलेटर कक्ष चालू किया गया।आरटीओ अधिकारी हेमांगिनी पाटिल के मार्गदर्शन में इस कक्ष में आने वाले बाइक सवारों को सिम्युलेटर मशीन के बारे में उचित जानकारी दी जा रही है। बाइक

चलाते समय सिम्युलेटर आपको अपनी गलतियों को समझने में मदद करते हैं। दोपहिया वाहन चालक से यातायात नियमों के अनुसार वाहन चलाने की अपेक्षा की जाती है।सड़क संकेतों, चिह्नों, गति सीमा आदि का अध्ययन करना और टेस्ट ड्राइव परीक्षण लेना सबसे अच्छा है। लेकिन ड्राइविंग टेस्ट के दौरान गलतियां हो जाती हैं और ड्राइवर फेल हो जाता है। उप क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी रोहित काटकर ने बताया कि इससे बचने के लिए सिम्युलेटर मशीन एक अहम भूमिका है।सिम्युलेटर मशीन पर सभी लेआउट बाइक की तरह हैं।कंप्यूटर स्क्रीन को देखकर ही वाहन चलाएं।इसमें एक्सीलेटर, गियर आदि होते हैं और सभी सड़कें, चौराहे, सिग्नल, घुमावदार मोड़, गड्ढे, बारिश, स्कूल, अस्पताल कोहरा आदि स्क्रीन पर दिखाए जाते हैं। कंप्यूटर में शहर,हाईवे, कम और अधिक भीड़-भाड़, अलग-अलग प्रकार का मौसम, अलग-अलग रोशनी, बारिश, कोहरा आदि स्थितियाँ बनाई जा सकती हैं, जिसके माध्यम से विभिन्न परिस्थितियों में ड्राइविंग अभ्यास या परीक्षण किया जा सकता है।

अविनाश जाधव ने ठाणे व पालघर जिला मनसे अध्यक्ष पद से दिया इस्तीफा

ठाणे. विधानसभा चुनाव में बुरी तरह से शिकस्त खाने वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे को एक और झटका लगा है.ठाकरे के करीबी माने जाने वाले मनसे नेता अविनाश जाधव ने रविवार को ठाणे व पालघर जिला अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है. उन्होंने कहा है कि ठाणे और पालघर जिलों में एमएनएस उम्मीदवारों की हार के कारण उन्होंने इस्तीफा दिया है. अविनाश जाधव ठाणे शहर विधानसभा क्षेत्र से मनसे के उम्मीदवार थे. लेकिन वे भी हार गये.

मनसे नेता अविनाश जाधव के नेतृत्व में ठाणे और पालघर जिलों में उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा था.अविनाश जाधव खुद भी ठाणे शहर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से उम्मीदवार थे. लेकिन इस सीट पर बीजेपी उम्मीदवार संजय केलकर निर्वाचित हुए हैं. इस सीट पर अविनाश जाधव तीसरे स्थान पर रहे थे. ठाणे जिले में मनसे के अन्य उम्मीदवार भी हार गये. आखिरकार अविनाश जाधव ने ठाणे और पालघर जिला अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है. उन्होंने अपना इस्तीफा पार्टी अध्यक्ष राज ठाकरे को सौंप दिया है.

आम सूचना

मैं श्रीमती नीमा होलाराम रोचलानी सभी को सूचित कर रही हूं कि फ्लैट नं. 401, चौथा माला, सुदर्शन अपार्टमेंट, उल्हासनगर-1. (टैक्स नं. 17एआय015994300) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती लीलाबाई के. पमनानी के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 26.12.2008 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-

श्रीमती नीमा होलाराम रोचलानी

STAFF REQUIRED
SINDHI MALE
Qualification B.COM PASSED For ACCOUNTANT
&
For SALESMAN Qualification- 10TH PASSED
CONTACT :
MR. RAJESH
Mob. No. : 9307579475

तलाक की खबरों के बीच काम पर लौटीं ऐश्वर्या!

- मेकअप आर्टिस्ट ने साथ की तस्वीर शेयर की
- फैंस बोले- क्वीन काम पर वापस लौट आईं

ऐश्वर्या राय इन दिनों अभिषेक बच्चन के साथ तलाक की खबरों से चर्चा में हैं। हाल ही में एक मेकअप आर्टिस्ट ने एक्ट्रेस के साथ की एक तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर से यह कयास लगाए जा रहा है कि ऐश्वर्या काम पर वापस लौट आई हैं। हालांकि रिपोर्ट में दावा किया गया है कि वे किसी फिल्म का शूट नहीं कर रही हैं। बल्कि यह फोटो एक ऐड फिल्म के सेट की है।

क्या प्रोफेशनल वजहों के कारण हटा सरनेम

हालांकि ऐश्वर्या राय के ऑफिशियल इंस्टाग्राम पेज पर अभी भी उन्होंने बच्चन सरनेम लगाया हुआ है। एक रिपोर्ट में कहा गया था कि सरनेम हटाने की वजह से जो तलाक की खबरों ने तूल पकड़ा है, उसमें कोई सच्चाई नहीं है। दुबई के इस इवेंट में प्रोफेशनल वजहों के कारण एक्ट्रेस के पहले नाम का इस्तेमाल किया गया है। ऐश्वर्या दुबई में ग्लोबल वुमेन फोरम कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंची थीं। यहां उन्होंने महिला सशक्तिकरण जैसे मुद्दे पर बात की। वहीं, उन्होंने तलाक की खबरों पर चुप्पी बनाए रखी। इस दौरान एक्ट्रेस के लुक की भी तारीफ हुई।

काम पर वापस लौट आने की वजह से ऐश्वर्या के फैन बहुत खुश हैं। एक्ट्रेस के एक फैन ने मेकअप आर्टिस्ट की स्टोरी को रीशेयर करते हुए लिखा है- फाइनली, हमारी क्वीन काम पर वापस लौट आईं। क्वीन आपके लिए बहुत खुश हूं।

हाल ही में ऐश्वर्या ने दुबई के एक इवेंट में शिरकत थी। इस इवेंट से जुड़ा एक वीडियो सामने आया था, जिसमें उनके नाम के आगे बच्चन सरनेम नहीं लगा हुआ था। इस वीडियो के सामने आते ही यह अटकलें तेज हो गई थीं कि क्या सच में ऐश्वर्या और अभिषेक बच्चन तलाक लेने वाले हैं।

उल्हास वि NEWS LIVE FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play
Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel
Subscribe
मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
सब पे नजर, सबकी खबर
Since 1985

Late Shri. ASHOK U. BODHA 18-02-1945 to 19-12-2017
www.ulhasvikas.com
epaper.ulhasvikas.com
Chief Editor Hero Ashok Bodha
L.L.B., BMM, MA (PS)

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099